साांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
लोगों के दृष्टिकोण को लेकर, ज्यादा मत सोचिए...!
क्योंकि सबसे ज्यादा वो लोग, हमारा मूल्यांकन करते हैं,
जिनका खुद...कोई मूल्य नहीं होता..!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-53 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 14 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

प्रेस क्लब का चुनाव शबाब पर, 3 पदों के लिए दस प्रत्याशी मैदान में, मतदान कल सुबह 10 बजे से

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रेस क्लब राजनांदगांव का चुनाव अब शबाब पर पहुंच चुका है। तीन पदों के लिए 10 प्रत्याशी मैदान में है। अध्यक्ष पद के लिए सीधी टक्कर है। कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में है जबकि सचिव पद के लिए सबसे ज्यादा पांच प्रत्याशी मैदान में है। नाम वापसी के अंतिम दिन आज शाम 5 बजे तक तीन पदों के लिए 7 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए।

निर्वाचन अधिकारी उमाकांत भारद्वाज ने बताया कि दोपहर 2 बजे तक नामांकन पत्र दाखिला और शाम 5 बजे तक नाम वापसी का मौका था और कुल सात लोगों ने विभिन्न पदों से अपनी दावेदारी वापस ले ली है। अध्यक्ष पद से अजय सोनी, ऋषि मिश्रा जग्गा, संजय सिंह राजपूत ने, कोषाध्यक्ष पद से मनोज राठौर एवं दीपक कुमार साहू तथा सचिव पद से आलोक शर्मा एवं दीपक कुमार साहू ने अपने नाम वापस ले लिए हैं। अब अध्यक्ष पद के दावेदार के रूप में सचिन अग्रहरि एवं कमलेश स्वणर्कार, कोषाध्यक्ष पद के दावेदार के रूप में बसंत शर्मा, रवि सिंह ठाकुर एवं प्रमोद कुमार शेंडे तथा सचिव पद के दावेदार के रूप में अनिल त्रिपाठी विक्रम बाजपेई, योगेश शर्मा, सुरेंद्र गुप्ता एवं मनोज राठौर मैदान में हैं।

श्री भारद्वाज ने बताया कि चुनाव कार्य में अधिवक्ता मनोज चौधरी, विमल हाजरा, गुनेंद्र साव, खेमराज वर्मा, मनीष तिवारी, सुनीता वर्मा सहित अन्य का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि मतदान 15 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा। इसके बाद मतगणना होगी और परिणामों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने बताया कि मत पत्र में नाम अल्फाबेटिक होंगे। उन्होंने बताया कि परिणामों की घोषणा होने के बाद विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र विपरीत किए जाएंगे।

सचिन का पलड़ा भारी

प्रेस क्लब के इस चुनाव में पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष सचिन अग्रहरि का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। सचिन ने अपने कार्यकाल के दौरान राजनांदगांव प्रेस क्लब के सदस्यों को भूमि आबंटन के अलावा पत्रकारों के हित में कई कार्य किए हैं। इसका सीधा फायदा अग्रहरि सो मिल रहा है। बताया जा रहा है कि अधिकांश पत्रकार फिर से सचिन को अध्यक्ष बनाने लामबंद होकर उनके पक्ष में डटे हुए हैं।

सांईनाथ की निकली शहर में पालकी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी साई भक्तों द्वारा साईनाथ पालकी शोभा यात्रा का भव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। आयोजनकर्ता गुलाब बाबा ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन पिछले कई वर्षो से लगातार किया जा रहा है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर साई बाबा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत शाम को भक्ति भाव के माहौल के साथ हुई। शाम 7:30 बजे से भव्य भजन-कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें साई भक्तों और स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय प्रस्तुतियां देकर वातावरण को पूरी तरह साईमय बना दिया। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और पूरे परिसर मे'साई राम' के जयकारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के दौरान साईनाथ पालकी शोभा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें साई बाबा की सुंदर झांकी और सुसज्जित पालकी आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालुओं ने पालकी के साथ चलकर भक्ति भाव से साई बाबा का गुणगान किया।

इस आयोजन का विशेष आकर्षण पांच घोड़ों का नृत्य रहा, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। घोड़ों के आकर्षक नृत्य और कलाकारों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और कार्यक्रम को और भी भव्य बना दिया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए साई भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

यह संपूर्ण धार्मिक आयोजन साई गार्डन, सड़क क्रमांक-6, गायत्री मंदिर के पास, मॉडल टाउन, भिलाई में संपन्न हुआ। आयोजनकर्ता गुलाब बाबा ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम समाज में धार्मिक आस्था, भाईचारा और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। साथ ही उन्होंने सभी श्रद्धालुओं का कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

ग्राम समोदा में 'अफीम कांड' से मचा हड़कंप: कृषि विस्तार अधिकारी सस्पेंड, पटवारी व फसल सर्वेयर को शोकाज

भाजपा नेता सहित तीन गिरफ्तार, प्रशासन का बड़ा खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

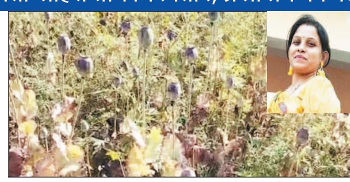

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अवैध अफीम की खेती के बड़े खुलासे ने प्रशासनिक तंत्र को झकझोर दिया है। समोदा गांव में मक्के के खेत के नाम पर करीब 5 एकड़ जमीन में अवैध अफीम (पोस्ता) की खेती किए जाने का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मामले को गंभीर मानते हुए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (RAEO) एकता साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

छापेमारी में करोड़ों की अफीम पकड़ी

6 मार्च 2026 को पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने समोदा गांव में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान खेत में लगी करोड़ों रुपये की अवैध अफीम की फसल बरामद कर नष्ट की गई। जांच में सामने आया कि जिस खेत में अफीम उगाई जा रही थी, उसे सरकारी रिकॉर्ड में 'मक्का प्रदर्शन प्लॉट' के रूप में दर्ज किया गया था।

अधिकारी पर ये गंभीर आरोप:-निलंबित कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू पर कर्तव्यों में लापरवाही और गलत रिपोर्टिंग के कई गंभीर आरोप लगे हैं।

गलत भौतिक सत्यापन:-सरकारी रिकॉर्ड में विवादित खेत को मक्का प्रदर्शन प्लॉट बताया गया था। जबकि नियम के अनुसार अधिकारी को मौके पर जाकर फसल का निरीक्षण करना था। इसके बावजूद अफीम की खेती को नजरअंदाज कर उसे मक्का बताया गया।

पोर्टल पर फर्जी फोटो अपलोड:-जांच में यह भी सामने आया कि मक्का प्रदर्शन योजना के तहत प्रोत्साहन राशि दिलाने के लिए पोर्टल पर किसी अन्य व्यक्ति की फोटो अपलोड की गई। अधिकारी ने इस गड़बड़ी को रोकने के बजाय इसे आगे बढ़ने दिया।

अवैध खेती को अनदेखा करना:-समोदा गांव उनके कार्यक्षेत्र में आता था। लगभग 5 एकड़ में अफीम की खेती होने के बावजूद उन्होंने उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं दी।

निरीक्षण में विफलता

कलेक्टर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अधिकारी ने अपने क्षेत्र का प्रभावी निरीक्षण नहीं किया, जबकि यह उनके पद की प्राथमिक जिम्मेदारी थी।

राजस्व विभाग के कर्मचारियों पर कार्रवाई

इस पूरे मामले में राजस्व विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। पटवारी अनिता साहू को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। फसल सर्वेयर शशिकांत साहू को भी नोटिस दिया गया है। दोनों पर आरोप है कि फसल सर्वे (गिरदावरी) के दौरान इतनी बड़ी अवैध खेती को नहीं पकड़ा।

FIR की भी तैयारी

प्रशासन और पुलिस अब यह जांच कर रहे हैं कि क्या संबंधित अधिकारियों की अवैध खेती करने वालों से कोई साठगांठ थी। यदि जांच में संलिप्तता साबित होती है तो निलंबन के साथ-साथ आपराधिक मामला (FIR) भी दर्ज किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री का सख्त संदेश

मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में अवैध खेती के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य के सभी कलेक्टरों को 15 दिनों के भीतर अवैध अफीम और अन्य मादक फसलों का सर्वे कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं।

भाजपा नेता सहित 3 गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भाजपा किसान मोर्चा के नेता विनायक ताम्रकार और उनके सहयोगियों विकास बिश्नोई तथा मनीष ठाकुर को गिरफ्तार किया है। इसके बाद राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई और पार्टी ने विनायक ताम्रकार को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया।

कलेक्टर का साफ संदेश

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्पष्ट कहा है कि पटवारी और कृषि विस्तार अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर ही सरकारी रिकॉर्ड तैयार होते हैं। अफीम जैसे गंभीर मामले में 'पता नहीं था' जैसी दलील स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जिले के सभी खेतों का नया सर्वे कराने के निर्देश भी दिए हैं ताकि कहीं और ऐसी अवैध खेती न हो रही हो। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या इस मामले में और बड़े खुलासे होंगे, या जांच की आंच प्रशासनिक तंत्र के और चेहरों तक पहुंचेगी।

मोबाइल पर पुलिस बनकर धमकाने से युवक ने की खुदकुशी, वायरल वीडियो से खुला राज

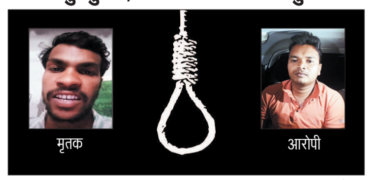

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक युवक की आत्महत्या का मामला सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद सनसनी बन गया। शुरुआत में युवक ने अपने सुसाइड वीडियो में पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था, लेकिन जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि उसे पुलिस नहीं बल्कि एक युवक ने पुलिस बनकर फोन किया था, जिससे डरकर उसने आत्महत्या कर ली।

मृतक की पहचान सनत कुमार कश्यप (25 वर्ष) पिता धनीराम कश्यप निवासी चोरभट्टी, थाना मुलमला जिला जांजगीर-चांपा के रूप में हुई है। वह वर्तमान में अशोक लीलैंड वर्कशॉप के पास ग्राम पताढी, थाना उरगा क्षेत्र में रह रहा था।

वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

13 मार्च को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें मृतक सनत कुमार कश्यप ने आत्महत्या से पहले कहा कि जांजगीर-चांपा जिले के बलोदा थाना अंतर्गत पंतोरा चौकी से फोन कर उसे गाली-गलौज और धमकी दी गई, जिससे वह परेशान होकर आत्महत्या कर रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और जांजगीर-चांपा पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की।

जांच में पता चला कि सचिन खरे (30 वर्ष) निवासी ग्रेवरा बस्ती, कोरबा की बहन स्नेहा खरे (21 वर्ष) 12 मार्च को कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटी। परिवार द्वारा खोजबीन करने पर जानकारी मिली कि वह धीरेन्द्र पाटले (जो सचिन खरे का रिश्तेदार है) के साथ चली गई है। अपनी बहन को खोजने के दौरान सचिन खरे ने धीरेन्द्र पाटले के दोस्त सनत कश्यप को पुलिस बनकर फोन किया।

बताया गया कि सचिन खरे ने अपने रिश्तेदार शैलेन्द्र पाटले के मोबाइल नंबर से सनत कश्यप को फोन किया और खुद को पंतोरा चौकी का पुलिसकर्मी बताकर गाली-गलौज करते हुए थाने आने की धमकी दी। इस धमकी से डरकर सनत कश्यप ने उरगा थाना क्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

आरोपी गिरफ्तार, जुर्म कबूला

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांजगीर-चांपा पुलिस ने आरोपी सचिन खरे को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद थाना बलोदा में अपराध क्रमांक 113/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 204 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बहन की गुमशुदगी दर्ज

इधर आरोपी की बहन स्नेहा खरे की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना कुसमुंडा, जिला कोरबा में दर्ज कराई गई है। पुलिस उसकी तलाश भी कर रही है। इस पूरे मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि झूठी पहचान और धमकी भरे फोन किस तरह किसी की जान तक ले सकते हैं। पुलिस अब मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

अवैध स्क्रैप कारोबार पर पुलिस की बड़ी रेड 60 टन कबाड़ और कई वाहन किए जब्त, जामुल, सुपेला व कुम्हारी में संयुक्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

तांबा, गैस कटर सेट और ट्रक-छोटा हाथी सहित भारी मात्रा में सामान बरामद

जिले में अवैध स्क्रैप कारोबार के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने बड़ा अभियान चलाते हुए एक साथ कई स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान करीब 60 टन लोहे का स्क्रैप, 200 किलो तांबा, गैस कटर सेट, ट्रक और कई छोटे मालवाहक वाहन जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई थाना जामुल, सुपेला और कुम्हारी क्षेत्रों में अउउव क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

जामुल में 40 टन स्क्रैप

कार्रवाई के दौरान थाना जामुल क्षेत्र के एक परिसर में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से लोहे के कबाड़ का संग्रहण और कटिंग कर बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर लगभग 40 टन लोहे का स्क्रैप, पाइप, चैनल, दरवाजे, रॉड और भारी लोहे के कल-पुर्जे बरामद किए। इसके अलावा करीब 200 किलोग्राम तांबा, जिसे तारों को जलाकर निकाला गया प्रतीत हो रहा है, भी बरामद किया गया। मौके से गैस कटर सेट और गैस सिलेंडर भी जब्त किए गए।

दस्तावेज नहीं दिखा सके संचालक

मौके पर मौजूद लोगों से स्क्रैप के वैध खरीद-बिक्री के दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। इस पर पुलिस ने संदेहास्पद संपत्ति मानते हुए पूरी सामग्री को विधि अनुसार जब्त कर लिया और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

अन्य कबाड़खानों में भी छापे

पुलिस ने जिले के अन्य कबाड़खानों की भी जांच की, जहां से लोहे का स्क्रैप, पुराने दोपहिया वाहन और अन्य धातु सामग्री बरामद हुई। संयुक्त कार्रवाई में कुल मिलाकर लगभग 60 टन लोहे का स्क्रैप (कीमत करीब 18 लाख रुपये), तीन ट्रक और तीन छोटा हाथी वाहन, बड़ी संख्या में पुराने दोपहिया वाहन और धातु कटिंग उपकरण जब्त किए गए।

इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई

पुलिस ने इस मामले में कई लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें हीरामन साहू, राकेश मिश्रा, समरुद्दीन, श्रीमती राधिका साहू, सितारे उर्फ मोहम्मद इमरान, मनोज उर्फ मन्नू गुप्ता, श्रवण कुमार देवांगन, अजमत हुसैन और धीरज चंद्राकर शामिल हैं।

पुलिस की अपील

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अवैध स्क्रैप कारोबार या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री सत्य साई की जन्म शताब्दि पर 15 कल मैराथन, 2 हजार से ज्यादा धावक लेंगे भाग

नई दृष्टिबिंदु / 000

भगवान श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा पूरे भारत में विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की सेवा एवं जन-जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में भिलाई के जयंती स्टेडियम से 15 मार्च को विशाल मैराथन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 2 हजार से ज्यादा धावक हिस्सा ले रहे हैं। यह मैराथन भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में फिट इंडिया कैंपेन के तहत हो रहा है।

श्री सत्य साई सेवा संगठन छत्तीसगढ़ द्वारा भिलाई में यह कार्यक्रम कराया जा रहा है। संगठन के जिला अध्यक्ष वी संदीप नायडू ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि भिलाई शहर में 15 मार्च की सुबह 6 बजे से जयंती स्टेडियम (सेक्टर-10) में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए संगठन द्वारा

लगभग 15 दिवस पूर्व पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी, जिसमें 2301 प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन कराया है। पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए 14 मार्च की सुबह 9 से शाम 6 बजे तक टी-शर्ट वितरण किया जाएगा।

संदीप नायडू ने बताया कि श्री सत्य साई रन एंड राइड किसी प्रकार की प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह शांति, एकता एवं सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने वाला जन-जागरूकता अभियान है। यह आयोजन पारंपरिक मैराथन से भिन्न है, जिसमें विजय व पराजय की कोई अवधारणा नहीं है। इसमें भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को स्मृति-चिह्न स्वरूप पदक (मेडल) प्रदान किया जाएगा तथा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता का ई-प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन, भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन, श्री सत्य साई सेवा संगठन तथा श्री सत्य साई ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करेंगे।

यह आयोजन डॉ. टी. रामा राव (प्रांत अध्यक्ष, श्री सत्य साई सेवा संगठन छत्तीसगढ़) के मार्गदर्शन, डॉ. अरुण शिवम पटनायक (राज्य प्रभारी) के संरक्षण तथा संदीप नायडू (जिला अध्यक्ष) के नेतृत्व में सम्पन्न हो रहा है। भिलाई नगर में कार्यक्रम का समन्वय अंजलि पिल्लई (राष्ट्रीय उप सेवादल समन्वयक) एवं देवेंद्र स्वैन द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति संयोजक भिलाई मनीष कुमार तथा समिति संयोजक दुर्ग गौरव सिंह ठाकुर के साथ श्याम, पूजा साहू, दिलीप ठाकुर, श्रीनिवास राव, अन्नपूर्णा राव, वीना सोनी, नंदा पिल्लई, सोमेश राव, प्रकाश राव, सौरभ पांडेय, संध्या चेट्टी, अंजनेय शर्मा, आर. शास्त्री, यमला साहू, नितिन नीमा, अशोक चौधरी सहित अनेक समर्पित साई सेवक, साई युवा एवं श्रद्धालु सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

खास खबर

टॉपवर्थ स्टील्स एंड पावर प्रा लि में 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बोरई औद्योगिक विकास केन्द्र, रसामड़ा, जिला दुर्ग स्थित टॉपवर्थ स्टील्स एंड पावर प्रा. लि. के प्रांगण में 55 वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन 4 से 11 मार्च 2026 तक किया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें सुरक्षा रैली, सुरक्षा पोस्टर प्रतियोगिता, सुरक्षा स्लोगन प्रतियोगिता, सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा रोको टोको अभियान, सुरक्षा गीत, नुक्कड़ नाटक एवं सुरक्षा प्रदर्शन शामिल रहे।

सप्ताह के दौरान कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ईएसआईसी रसमड़ा अस्पताल की टीम शिविर में ईएसआई रसमडा के डॉ. मनप्रीत सिंह भाटिया, डॉ. भूपेंद्र सिंह पैकरा, डी. के. रत्रश नंद, सुभाष साहू, जागेश्वर, तेजस्वी, रेणुका, प्रेरणा, योगेश व पंकज द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कर्मचारियों एवं श्रमिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ परामर्श भी दिया गया। तथा शुगर, बीपी के जांच उपरांत दवाइयों का वितरण भी किया गया है। श्रमिकों को ईएसआई द्वारा संचालित योजनाओं व उनसे मिलने वाले लाभ की जानकारी दी गई है।

सुरक्षा सप्ताह का समापन के मुख्य अतिथि जय थॉमस और वेंकट नारायण की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षित कार्य वातावरण बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के नियमित उपयोग एवं सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य परिचालन अधिकारी , सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सुरक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए तथा कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कारखाना प्रबंधक केटी तिडके, सत्येंद्र सिंह, केपी सिंह, एमएस रेड्डी, मनोज महाजन, रक्तिम अधिकारी, डॉ. आशीष शुक्ला, बिनोद कुमार, कमलेश पवार, राजकुमार गुप्ता, एवं विकास प्रजापति, गुलशन कुमार सहित बड़ी संख्या में कमर्चारी एवं सुरक्षा कर्मी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

रोज तोड़कर दिया खून, मरीज की जान बचाकर कायम की अनूठी मिसाल

भिलाई। रमजान शरीफ का महीना सब्र, इबादत और इंसानियत का पैगाम देता है। ऐसे पवित्र समय में एक मुस्लिम युवक ने जान बचाने के लिए अपना 22 वां रोजा तोड़कर बी नेगेटिव जैसे रेयर ब्लड ग्रुप का रक्तदान किया। यह कदम बताता है कि इंसानियत सबसे बड़ी इबादत है। किसी की जिंदगी बचाना अल्लाह की नजर में बहुत बड़ा सवाब है। खुर्सीपार निवासी रक्तदाता आरिफ अय्यूब ने गुरुवार को निजी अस्पताल में भर्ती मरीज सीमा सोनवानी के लिए रोजा तोड़कर रक्तदान किया। मानव सेवा के इस एन उठे कार्य के लिए उनके दोस्तों ने भी प्रेरित किया। खासतौर पर रेलवे की ड्यूटी के बाद, जरूरतमंद की मदद करने जीवन रक्षक हमेशा तैयार रहते दो दोस्त, जे.डी. खांन और दीपक कुमार रेलवे कमर्चारी हैं, ड्यूटी के बाद जरूरतमंद के लिए रक्तदान की सेवा 15 सालों से कर रहे हैं। जे. डी. खांन और दीपक कुमार ने बताया लोगों की जान बचाने के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। यदि किसी जरूरतमंद को ब्लड की जरूरत होती है तो वह स्वय अपने साधन से अस्पताल तक रक्तदाता को लेकर जाते हैं। और मरिज के घर वालों से आग्रह करने पर भी पानी तक नहीं पीते क्योंकि उनका मानना है सेवा ही धर्म है।

दुर्ग में पात्र हितग्राहियों को मिलेगा पक्का घर, पीएम आवास योजना के तहत 247 बीएलसी आवासों की मिली स्वीकृति

योजना के अनुसार हितग्राही 30 से 45 वर्ग मीटर कारपेट क्षेत्रफल तक कर सकेंगे आवास निर्माण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग को बड़ी सौगात मिली है। निगम क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुल 247 बीएलसी आवासों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसमें 169 आवास एवं 78 आवास शामिल हैं, जिनकी स्वीकृति राज्य शासन के माध्यम से प्रदान की गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर एवं आवासहीन परिवारों को अपने स्वयं के पक्के घर का सपना साकार करने का अवसर मिल रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम दुर्ग क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ प्रदान करने के लिए राज्य शासन द्वारा स्वीकृति जारी की गई है, जिससे अब लाभार्थियों को अपने घर के निर्माण के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। नगर निगम दुर्ग द्वारा योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया

जाएगा, ताकि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ मिल सके। निगम प्रशासन द्वारा हितग्राहियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग भी प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने पक्के मकान का निर्माण कर सकें। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। नगर निगम दुर्ग इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ मिल सके। बता दें कि योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को अपने आवास निर्माण के लिए नगरीय निकाय से

ही भवन अनुज्ञा लेना अनिवार्य होगा, जिसकी प्रति राज्य शहरी विकास अभिकरण को भेजना आवश्यक रहेगा। योजना के अनुसार हितग्राही 30 से 45 वर्ग मीटर कारपेट क्षेत्रफल तक का आवास निर्माण कर सकेंगे।

नगर निगम द्वारा जारी भवन अनुज्ञा में प्रस्तावित आवास का कारपेट क्षेत्रफल दर्ज किया जाएगा और उसी के अनुरूप निर्माण करना अनिवार्य होगा। साथ ही मिशन की मार्गदशिर्का के अनुसार हितग्राहियों का जातिगत आधार पर वर्गीकरण किया जाना भी सुनिश्चित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए कुल 2.50 लाख रुपये को अनुदान राशि चार किश्तों में प्रदान की जाएगी।

कुम्हारी-अहिवारा-बेरला मार्ग के लिए 90.70 करोड़ स्वीकृत

भिलाई। राज्य शासन ने कुम्हारी अहिवारा-बेरला मुख्य जिला मार्ग के मजबूतीकरण और चौड़ीकरण के लिए 90 करोड़ 69 लाख 87 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से 51 .40 किमी सड़क का मजबूतीकरण और चौड़ीकरण किया जाएगा। साथ ही 1 .40 किमी लंबाई के अंधे मोड़ का पुनर्रेखन भी किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है। साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कायर्वाही की जाएगी। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को कार्य को निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है।

सरकार का सुशासन बना सूखा नशा आसन : निकिता मिलिंद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर जिला कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त महामंत्री निकिता मिलिंद ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस सुशासन का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, वह अब सूखा नशा आसन बनकर रह गया है। दुर्ग जिले के ग्राम समोदा में भाजपा से जुड़े किसान नेता विनायक ताम्रकार के लगभग 10 एकड़ खेत में अवैध अफीम की खेती का मामला सामने आने के बाद सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

निकिता मिलिंद ने कहा कि अफीम वही पौधा है जिससे आगे चलकर हेरोइन जैसे खतरनाक नशीले पदार्थ तैयार होते हैं, और जिस नव्या मलिक का नाम प्रदेश में सूखे नशे की तस्करी से जोड़ा जाता रहा है, उसका नाम अचानक सरकारी सूची से गायब हो जाना संदेह को और गहरा करता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा से सीधा जवाब मांगते हुए पूछा कि आखिर इस अफीम की खेती में कौन-कौन मंत्री और अधिकारी शामिल हैं, नव्या मलिक का नाम सूची से किसने हटाया, वह कितनी बार और किन लोगों के साथ विदेश गई, विनायक ताम्रकार मुख्यमंत्री निवास में कब-कब पहुंचा और उसके किन-किन नेताओं व अधिकारियों से संबंध हैं।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जिस प्रकार से सत्ता से जुड़े लोगों के नाम सामने आ रहे हैं और बड़े नशा तस्करों के नाम सूची से गायब हो रहे हैं, उससे साफ लगता है कि प्रदेश में सूखे नशे का कारोबार राजनीतिक संरक्षण में फल-फूल रहा है, जिसका खामियाजा आम जनता को कानून व्यवस्था बिगड़ने के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

निकिता मिलिंद ने यह भी कहा कि सबसे बड़ा सवाल दुर्ग जिले की पुलिस व्यवस्था पर खड़ा होता है। जब किसी छोटे से छोटे मामले में आरक्षक या थानेदार को तुरंत लाइन अटैच कर दिया जाता है, तो फिर इतने बड़े पैमाने पर चल रही अफीम की खेती आखिर पुलिस और प्रशासन की नजर से कैसे छिपी रही? क्या जिले के पुलिस कप्तान को इसकी जानकारी नहीं थी, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गईं? अगर जिम्मेदारी तय करने की बात आती है तो क्या सरकार वही मापदंड पुलिस अधीक्षक पर भी लागू करेगी, जो आम पुलिसकर्मियों पर करती है? कांग्रेस ने कहा कि अगर सरकार वास्तव में पारदर्शिता चाहती है तो इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए और बताए कि इतने बड़े नशे के कारोबार के दौरान आखिर प्रशासन और पुलिस क्या कर रही थी।

महिला किसान थीम पर ग्राम मोहलई में नाबार्ड के सहयोग से मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्राम मोहलई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला किसान थीम के साथ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट (SIRD) द्वारा नाबार्ड के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें ग्राम मोहलई के सभी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट के सचिव एसके खरे ने सभी आमंत्रित अतिथियों का पुष्प एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित दुर्ग जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन ने सभी महिलाओं को महिला दिवस की बधाई देते हुए उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री शमशाद बेगम ने महिलाओं से समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने तथा सामाजिक परिवर्तन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। नाबार्ड दुर्ग की जिला विकास प्रबंधक श्रीमती अंशु गोयल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने पर बल देते हुए कहा कि नाबार्ड महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण के लिए उनके साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में देना बैंक आरसेटी के राज्य निदेशक अशोक सिंह ने महिलाओं को तकनीकी एवं स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट के सचिव एसके खरे ने अपने संबोधन में महिलाओं से आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ-साथ परिवार को एक सूत्र में बांधे रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बना दिया। इस अवसर पर ग्राम मोहलई की सफल महिला किसानों एवं महिला उद्यमियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही आमंत्रित अतिथियों को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में रक्फ्क्रु के साथी सतेन्द्र सिन्हा एवं महिला समन्वयक श्रीमती इंदु साहू ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक श्रीमती गुड्डी यादव का विशेष योगदान रहा।

बीएसपी में 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह बुधवार को महात्मा गांधी कला मंदिर में सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़े, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कायर्पालक निदेशक अजय कुमार चक्रवर्ती रहें व विशिष्ट अतिथि के तौर पर कायर्पालक निदेशक प्रवीण निगम, कायर्पालक निदेशक पवन कुमार, कायर्पालक निदेशक पीके सरकार, तथा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषार कांत उपस्थित थे।

इस अवसर पर विभिन्न विभाग के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, बीएसपी-ऑफिसर्स एसोसिएशन के सदस्य, यूनियन प्रतिनिधि,वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में कार्मिकगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसके उपरांत सहायक महाप्रबंधक शोवन घोष ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाई। उद्घाटन सत्र के उपरांत लोमस कुमार साहू द्वारा बांसुरी वादन की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही संयंत्र में सुरक्षित कार्य पद्धतियों के महत्व को रेखांकित करने हेतु एक सुरक्षा जागरूकता वीडियो भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन मुख्य महाप्रबंधक डी सतपथी ने दिया, जिसमें उन्होंने

पिछले वर्ष में सुरक्षा गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न सुरक्षा-उन्मुख सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें यूनिवर्सल रेल मिल की टीम द्वारा सेफ्टी मैन शीर्षक से एक सुरक्षा स्किट, ओमवीर करन द्वारा सुरक्षा कविता और टी एंड डी के मुकेश कुमार भारद्वाज द्वारा सुरक्षा गीत प्रस्तुत किए गए।

मुख्य अतिथि अजय कुमार चक्रवर्ती ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी हैं और इसे हमें आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि आप कभी भी अनसेफ कंडीशन में काम ना करें और ना ही किसी को करने दें। उन्होंने रोको, टोको पर जोर देते हुए कहा कि आप सभी के पास पॉवर है कि असुरक्षित हालत में काम को रुकवा सकते है, हमारा प्रथम उद्देश्य सुरक्षा होना चाहिए।

वहीं विशिष्ट अतिथियों ने अपने संबोधन में कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कमर्चारियों से अपील की कि वे कार्य के दौरान सतर्क रहें, संभावित जोखिमों की पहचान करें तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों का सदैव पालन करें। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा केवल नियमों के अनुपालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसके माध्यम से संयंत्र में सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों की घोषणा की गई, जिसमें सुरक्षा कैलेंडर, सुरक्षा नाटक, सुरक्षा कविता, सुरक्षा गीत, सुरक्षा क्विज और नियर-मिस रिपोर्टिंग पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सेफ्टी वारियर पुरस्कार आदि सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं और श्रेणियों में शामिल थे। सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए क्षेत्रवार सर्वश्रेष्ठ हाउसकीपिंग पुरस्कार आदि सहित विभिन्न श्रेणियों के लिए पुरस्कार और सम्मान गणमान्य व्यक्तियों और अन्य विशेष अतिथियों द्वारा वितरित किये गए। सर्वश्रेष्ठ डीआईसी पुरस्कार एसएमएस-3 एवं सर्वश्रेष्ठ नियर-मिस रिपोर्टिंग पुरस्कार बीआरएम की टीमों को मिले, जबकि जोन-वार सर्वश्रेष्ठ हाउसकीपिंग पुरस्कार श्रेणी में आयरन एंड स्टील जोन से सीओएंडसीसीडी, मिल्स जोन से प्लेट मील, बल्क मटेरियल्स हैंडलिंग जोन से एसपी- 3 और यूटिलिटीज जोन से अग्निशमन सेवा विभाग, शॉप एंड सविर्सेज जोन (ए) और (बी) से इलेक्ट्रिकल रिपेयर शॉप और सीआरएम(ई) ने क्रमशः विजेता पुरस्कार प्राप्त किये। इस अवसर पर संबंधित प्रतियोगिताओं के निर्णायकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समन्वयन मुख्य महाप्रबंधक (सेफ्टी एवं फायर सविर्सेज) देबदत्त सतपथी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालनउप प्रबंधक (संपर्क प्रशासन-राजभाषा) जेडी मानिकपुरी ने किया और महाप्रबंधक प्रभारी (एसईडी) एसके अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह का समापन राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

नगर निगम दुर्ग ने की बड़ी कार्रवाई, नाली के ऊपर बने 35 से अधिक अवैध निर्माण तोड़े

कार्रवाई

महापौर अलका बाघमार के सख्त निर्देश पर अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में बढ़ते अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पटरीपार सिकोला भाटा सब्जी मार्केट क्षेत्र में नाली के ऊपर किए गए अवैध निर्माणों को हटाया गया। निगम की टीम ने जेसीबी की मदद से करीब 35 से अधिक दुकानों के बाहर नाली के ऊपर बनाए गए अवैध शेड और पक्के निर्माण को तोड़कर हटाया।

बताया गया कि लंबे समय से इस क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा नाली के ऊपर कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए गए थे, जिससे आवागमन और सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। इस संबंध में नगर निगम द्वारा पहले भी कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन अवैध कब्जाधारियों पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

महापौर अलका बाघमार के सख्त निर्देश पर अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में निगम की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई के दौरान पटरीपार सिकोला भाटा के कई दुकानदारों ने निगम की कार्रवाई को देखते हुए स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए 24 घंटे का समय भी मांगा। इस पर निगम अधिकारियों ने उन्हें स्पष्ट चेतावनी दी कि तय समय के बाद यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो निगम द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर क्षेत्र में सड़क और नालियों के ऊपर अवैध रूप से निर्माण कर व्यवसाय करना किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहर के सभी अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा कर व्यवसाय किया जाएगा तो उस पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने के लिए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना ने बदल दी अभिषेक-बबीता की जिंदगी, सामाजिक समरसता की ओर बढ़ाया मजबूत कदम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सामाजिक सद्भाव, समानता और जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में सरकार द्वारा संचालित अंर्तजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना आज वास्तविक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन रही है। इसी कड़ी में कोरबा जिले के युवा दम्पत्ति अभिषेक आदिले और बबीता देवांगन की कहानी समाज में नई उम्मीद और सकारात्मक बदलाव का संदेश देती है।

कोरबा के आदिले चौक, पुरानी बस्ती के निवासी अभिषेक आदिले हैं और जो अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं, तथा जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम चोरिया, तहसील सारागांव की रहने वाली

20 वर्षीया बबीता देवांगन, जो अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय से हैं, ने सामाजिक बाधाओं को दूर करते हुए अंतर्जातीय विवाह किया। दोनों परिवारों ने इस रिश्ते का सम्मान किया और समाज में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

अंतर्जातीय विवाह करने वाले दम्पत्तियों को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना के अंतर्गत इस दम्पत्ति को कुल 2.50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, कोरबा द्वारा इस राशि में से 1.00 लाख रुपए दम्पत्ति के संयुक्त बैंक खाते में प्रदान कर दिए गए हैं, जबकि शेष 1.50 लाख रुपए उनके उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए तीन वर्ष की सावधि जमा के रूप में निवेश किए गए हैं। यह आर्थिक सहायता उनके नए जीवन की शुरुआत को सरल बनाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है।

केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार दोनों ही सामाजिक समरसता को मजबूत करने, जातीय भेदभाव को समाप्त करने और युवाओं को रूढ़िवादी सोच से मुक्त कर समानता के मार्ग पर अग्रसर करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। शासन द्वारा संचालित यह योजना समाज को अधिक संवेदनशील, एकजुट और प्रगतिशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का संदेश भी है, जिससे प्रेम, सम्मान और समानता की भावना को बल मिलता है।

अभिषेक और बबीता की यह पहल केवल एक विवाह का संस्कार नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नींव है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि विश्वास और साहस हो तो जाति-पाति की दीवारें स्वयं ढह जाती हैं और मानवीय मूल्य ही समाज की असली पहचान बनते हैं। शासन की योजना से मिली सहायता ने उनकी नई यात्रा को सुरक्षित और स्थिर बनाया, जबकि उनकी आपसी समझ और दृढ़ता इस कहानी को और अधिक प्रेरक बनाती है।

चार साल पहले शादी के बंधन में बंधे अभिषेकझबबीता की सफलता से स्पष्ट होता है कि सरकारी योजनाएँ तभी सार्थक होती हैं जब समाज के लोग उन्हें अपनाकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते हैं।

खास खबर

डीसीपी नॉर्थ कार्यालय का हुआ शुभारंभ प्रशासनिक व्यवस्था होगी और मजबूत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस प्रशासन को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में राजधानी में एक नया कदम उठाया गया है। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के अंतर्गत 12 मार्च को नवीन पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ) कार्यालय और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ) कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया।

नया कार्यालय लाल गंगा मॉल के सामने जीई रोड स्थित परिसर में शुरू किया गया है। इस कार्यालय के माध्यम से उत्तर क्षेत्र के पुलिस प्रशासनिक कार्यों को संचालित किया जाएगा। डीसीपी नॉर्थ कार्यालय के अंतर्गत अब गुढ़ियारी, गुढ़ियारी, खमतराई, उरला, पंडरी और खम्हारडीह थानों का पयर्वेक्षण किया जाएगा। नवीन कार्यालय में मयंक गुर्जर पुलिस उपायुक्त (उत्तर क्षेत्र) के रूप में कायर्भार संभालेंगे, जबकि आकाश मरकाम अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त के रूप में प्रशासनिक कार्यों का संचालन करेंगे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नए कार्यालय के शुरू होने से उत्तर क्षेत्र के थानों की निगरानी और कानून व्यवस्था को और प्रभावी तरीके से संचालित किया जा सकेगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद कल से तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे

रायपुर। उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज 15 मार्च से तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास रहेंगे। वे 15 मार्च रविवार को अहमदाबाद से रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां उनके भक्तगण उनका भव्य स्वागत और दर्शन करेंगे। ज्योतिर्मठ के सीईओ चंद्रप्रकाश उपाध्याय ने बताया कि, विमानतल से राजीव नगर स्थित आलोक सिह के निवास पर वे जाएंगे, जहां सिह परिवार द्वारा पादुकापूजन किया जाएगा। इसके बाद सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा के लिए वे रवाना होंगे। सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा बेमेतरा पहुंचने पर दंडी स्वामी स्रीमज्ज्योतिर्मानंद सरस्वती जी स्वागत पूजन कर भक्तों को दर्शन देंगे। वहीं 16 और 17 मार्च को नवनिर्मित सवा लाख शिवलिंग मंदिर का निरीक्षण कर कार्य में लगे सभी कर्मचारियों को मार्गदर्शन करेंगे।

भारतीय संस्कृति में धरती को मां का दर्जा प्रकृति संरक्षण हमारी परंपरा : सीएम साय

ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है छत्तीसगढ़

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ देश की अर्थव्यवस्था का पावर इंजन है और अब हमारा राज्य ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित दूसरे छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ हरित सम्मेलन की उपयोगिता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि इसके माध्यम से पॉलिसी मेकिंग से जुड़े लोग, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थान, शोधकर्ता और पर्यावरणविद एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वतर्मान समय में जलवायु संकट लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर केवल चिंतन ही न करें, बल्कि उन्हें व्यवहार में भी उतारें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार हमेशा से विरासत के साथ विकास की पक्षधर रही है। पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली हमारी हजारों वर्षों पुरानी परंपरा रही है और उसकी रक्षा के लिए सरकार नीतिगत स्तर पर लगातार ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में स्टील उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है और इस क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए ग्रीन स्टील जैसे नवाचारों को अपनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण वृद्धि के मामले में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की नीतियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों की जागरूकता और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का परिणाम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में सोलर रूफटॉप योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऊर्जादाता बनाया जा रहा है और बायो-एथेनॉल जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं उभर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान चलाकर लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया गया है, इसलिए संसाधनों का उपयोग करते समय पर्यावरण और धरती के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ कागज के उपयोग में भी कमी आई है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बहुल राज्य है और लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। श्री साय ने बताया कि वनांचल में वृक्षों को सरना (देवता) के रूप में पूजा जाता है और सरना को राजस्व रिकॉर्ड में भी देवस्थल के रूप में दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से जुड़ाव और उसके संरक्षण का भाव जनजातीय समाज से सहज ही सीखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य की नई औद्योगिक नीति में हरित पहल पर विशेष जोर दिया गया है और इस दिशा में कार्य करने वाले उद्योगों को विशेष रियायतें भी दी जा रही हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट के मंच से प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने तथा इसकी शुरुआत स्वयं से करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सम्मेलन में प्रस्तुत शोधों के संकलन पर आधारित पुस्तक एब्स्ट्रेक्ट, सम्मेलन की प्रमुख चर्चाओं पर आधारित हाइलाइट्स ऑफ द समिट तथा जनजातीय कहानियों और परम्पराओं पर आधारित पुस्तक कथा कंथली का विमोचन किया। इस अवसर पर मेघालय के लोकायुक्त सीपी मारक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल, पीसीसीएफ व्ही श्रीनिवास राव, विबग्योर फाउंडेशन के अध्यक्ष शंखदीप चौधरी, विषय विशेषज्ञ, प्रोफेसर, प्रबुद्धजन, स्कॉलर और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से जर्जर पुल के निर्माण की शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जशपुर जिले में सिंगीबहार से कछुआकानी मुख्य मार्ग पर स्थित जर्जर पुल के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। लंबे समय से पुल की जर्जर स्थिति के कारण क्षेत्र के लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर थे। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के संज्ञान में मामला आने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभाग को निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

बताया गया है कि सिंगीबहार कछुआकानी मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जो छत्तीसगढ़ को पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओडिशा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है। पुल के खराब होने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों, किसानों और मजदूरों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया को जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कारर्वाई के निर्देश दिए गए। निर्देश मिलते ही संबंधित विभाग ने स्थल पर पहुंचकर पुल निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। पुल निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों पुरानी समस्या का अब समाधान होने जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुल बनने से आवागमन सुरक्षित होने के साथ ही आसपास के गांवों के विकास और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

रेलवे स्टेशन के बाहर 13 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर और उसकी महिला साथी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से करीब 13 किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया है। कार्रवाई गुढ़ियारी थाना पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने की।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों को थाना क्षेत्र के रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 7 के बाहर पार्किंग के पास से पकड़ा गया। दोनों अपने बैग में गांजा रखकर कहीं जाने की फिराक में थे। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम राजेंद्र प्रसाद और हेमलता कैवर्त्य बताया। जांच में सामने आया कि दोनों आपस में प्रेमी-प्रेमिका हैं और पुलिस से बचने के लिए पति-पत्नी बनकर यात्रा करते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी उड़ीसा के खरियार रोड क्षेत्र से गांजा लाकर उत्तरप्रदेश के प्रयागराज ले जा रहे थे। तलाशी के दौरान उनके बैग से 13.156 किलोग्राम गांजा और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 6 लाख 77 हजार 800 रुपये आंकी गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ गुढ़ियारी थाने में नारकोटिक एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और तस्करी नेटवर्क के अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में गुढ़ियारी थाना पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम की अहम भूमिका रही।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में छग को मिली सहायता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों की मदद के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समिति ने वर्ष 2025 के दौरान आई बाढ़, फ्लैश फ्लड, बादल फटने, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान मोन्था जैसी आपदाओं से प्रभावित राज्यों के लिए 1,912.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। इस निर्णय के तहत छत्तीसगढ़ को 15.70 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में केंद्र के इस अतिरिक्त सहयोग के लिए केंद्रीय गृह मंत्री का आभार माना है।

केंद्र सरकार द्वारा यह सहायता राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष से जारी की जाएगी, ताकि प्रभावित राज्यों में राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। समिति के निर्णय के अनुसार छत्तीसगढ़ को 15.70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता स्वीकृत की गई है। केंद्र सरकार ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार प्राकृतिक आपदाओं के समय राज्यों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। आपदा की स्थिति में प्रभावित राज्यों को त्वरित राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है।

गौरतलब है कि यह अतिरिक्त सहायता राज्यों को पहले से उपलब्ध कराए गए संसाधनों के अतिरिक्त है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार ने राज्यों को आपदा प्रबंधन के लिए बड़ी राशि पहले ही जारी कर दी है। State Disaster Response Fund (SDRF) के तहत 28 राज्यों को 20,735.20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जबकि National Disaster Response Fund (NDRF) के तहत 21 राज्यों को 3,628.18 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। इसके अलावा आपदा जोखिम को कम करने और दीघर्कालिक सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाने के लिए State Disaster Mitigation Fund (SDMF) से 23 राज्यों को 5,373.20 करोड़ रुपये तथा National Disaster Mitigation Fund (NDMF) से 21 राज्यों को 1,189.56 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर चौबे व आयुक्त की बैठक

पंडरी कपड़ा बाजार की 19 दुकानों की नियमानुसार सील खोलने दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दिशा समिति की बैठक में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल और रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा के साथ विगत दिनों नगर निगम रायपुर के अधिकारियों की उपस्थिति में पंडरी कपड़ा बाजार की 19 सीलबन्द की गई दुकानों के संचालकों की हुई।

बैठक में बनी सहमति पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायपुर नगर निगम मुख्यालय भवन के महापौर कक्ष में पहुंचकर रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप सहित नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त पंकज के शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कायर्पालन अभियंता आशुतोष सिंह, पंडरी कपड़ा बाजार की सीलबन्द दुकानों के संचालकों की बैठक ली। बैठक में विगत दिनों सीलबंद की गयी 19 दुकानों की सील खोलने पर सहमति बनी।

इस दौरान चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थोरानो, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष अमर पारवानी की भी उपस्थिति रही।

यहां यह उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण में पूर्व में पंडरी कपड़ा बाजार के व्यापारियों की मांग पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा द्वारा पंडरी कपड़ा बाजार की सीलबंद दुकानों की सील खोलने की अनुशंसा रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप को पत्र लिखकर की गयी थी।

जानकारी दी गई कि पिछले दिनों दिशा समिति की बैठक में पंडरी कपड़ा बाजार के 19 दुकानदारों द्वारा अवैध तरीके से अपनी दुकान के दोनों ओर आगे और पीछे की ओर से शटर लगाए जाने पर नियमानुसार कायर्वाही करने के निर्देश दिए गए। इस पर नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता और जोन 2 नगर निवेश विभाग की टीम ने वहाँ पहुंचकर सम्बंधित 19 दुकानों को नियमानुसार सीलबन्द करने की कायर्वाही की। इस पर सीलबंद 19 दुकानों के सम्बंधित संचालकों ने रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल और रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा से मुलाकात की और उनसे सीलबंद दुकाने खोले जाने निर्देश देने अनुरोध किया। दिशा समिति की अगली बैठक में निर्णय लिया गया कि सम्बंधित दुकानदारों को स्वतः अपनी पार्किंग की व्यवस्था अपने ग्राहकों के लिए नियमानुसार करनी होंगी और रायपुर नगर निगम, रायपुर विकास प्राधिकरण, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की व्यवस्था अंतर्गत प्रबंधन सुचारु बनाये रखने नियमों का पालन करना होगा।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने नगर निगम में सम्बंधित व्यापारियों की बैठक रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप सहित ली। जिसमें रायपुर नगर निगम द्वारा रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल और रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा के साथ पूर्व में हुई नगर निगम अधिकारियों की बैठक में बनी सहमति पर नियमानुसार सीलबंद 19 दुकानों के सील को खोलने पर सहमति व्यक्त की गई।

रावतपुरा विवि के बॉयज हॉस्टल में अव्यवस्था एनएसयूआई ने रजिस्ट्रार को सौंपा ज्ञापन

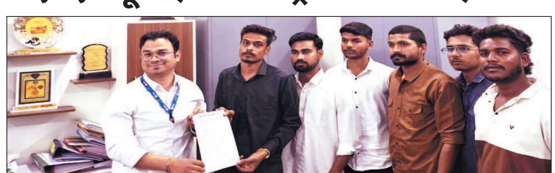

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के बॉयज हॉस्टल में छात्रों को मिल रही सुविधाओं को लेकर एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने हॉस्टल में व्याप्त 13 प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए रजिस्ट्रार से जल्द कार्रवाई करने की अपील की।

रायपुर जिला एनएसयूआई अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी के निर्देशानुसार शिवांक सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय पहुंचकर रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि बॉयज हॉस्टल में भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं है और छात्रों को समय पर उचित भोजन नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा हॉस्टल में परिवहन सुविधा की कमी, वॉटर कूलर में करंट आने की समस्या, पानी रिसने से फर्श गीला रहने, परिसर में गंदगी और मच्छरों की बढ़ती संख्या जैसी समस्याएं भी उठाई गईं। एनएसयूआई ने बताया कि हॉस्टल की वाशिंग मशीन खराब है, कई कमरों में बिजली की समस्या है और स्विच बोर्ड व एलईडी लाइटें भी खराब हैं।

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि कई कमरों में कूलर उपलब्ध नहीं हैं या ठीक से काम नहीं कर रहे। हॉस्टल की दीवारें कई जगहों से टूट चुकी हैं, जिससे कमरों में मिट्टी और धूल गिरती रहती है। गंदगी और धूल के कारण छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कई कमरों की खिड़कियां टूटी हुई हैं, अलमारी, टेबल और कुर्सी की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है। हॉस्टल के बाथरूम की स्थिति भी खराब बताई गई है, जहां नियमित साफ-सफाई की जरूरत बताई गई। इस पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने आश्वासन दिया कि बॉयज हॉस्टल में हो रही समस्याओं का जल्द निराकरण किया जाएगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष प्रशांत चंद्राकर, भविंद्र यादव, शिवेंद्र, प्रविर दास, सागर सिंह गौर, प्रशांत यादव, हर्ष साहू, जन्मजय सहित कई एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संपादकीय

केजरीवाल पहले से ही जमीन तैयार कर रहे

राजनीति में जो नेता बहुत होशियार होते हैं तो वह भविष्य में अपने बचाव के लिए बहुत पहले से जमीन तैयार करते हैं ताकि वह भविष्य में वह कह सकें कि वह तो पहले से यही कह रहे थे कि उनके साथ ऐसा ही किया जाएगा ।उनके साथ गलत होने की आशंका थी और देखिए उनकी आशंका अब सच साबित हुई है। जनता की अदालत ने तो केजरीवाल के मामले में अपना फैसला सुना दिया है। अब वह जनता की अदालत में पांच साल बाद ही जाएंगे इसलिए वह इस दौरान मिले समय का उपयोग करते हुए अपने आपको कट्टर ईमानदार नेता अदालत में साबित करना चाहते हैं। आगे की राजनीति के लिए उनके लिए निचली अदालत में ईमानदार साबित होना जरूरी था और निचली अदालत ने उनकी यह इच्छा पूरी कर दी ।वह जैसा चाहते थे, निचली अदालत ने दिल्ली शराब घोटाले में जो फैसला सुनाया वह वैसा ही था यानी केजरीवाल जनता के बीच जाकर यह कह सकते थे देखो निचली अदालत के जज ने मुझको आरोपमुक्त कर दिया है यानी मैं कट्टर ईमानदार था, कट्टर ईमानदार हूं, तभी तो जज ने मुझको और बाकी लोगों को आरोपमुक्त किया है।

केजरीवाल को अंदेशा था कि यह मामला हाईकोर्ट जाएगा और निचली अदालत के फैसले पर रोक लगा दी जाएगी ।ऐसा ही हुआ है,केजरीवाल को ज्यादा बुरा यह लगा कि हाईकोर्ट ने जल्दी ही निचली अदालत के फैसले पर रोक लगा दी इससे केजरीवाल को नुकसान यह हुआ है कि वह कुछ समय जो यह प्रचार करना चाहते थे, वह प्रचार अब नहीं कर सकते कि देखो निचली अदालत ने तो मुझे आरोपमुक्त कर दिया है, मैं तो पहले कहता था कि मैं ईमानदार हूं और कोर्ट ने ऐसा ही माना है तब ही तो मुझे आरोपमुक्त कर दिया है। हाईकोर्ट के जज के त्वरित फैसले के कारण वह ऐसा नहीं कर सके हैं यानी उनकी खुद को ईमानदार प्रचारित करने की योजना शुरु होती इससे पहले हाईकोर्ट के फैसले से उनकी योजना पर पानी फिर गया है।

केजरीवाल जस्टिस स्वणर्कांता शर्मा के बारे में पहले से जानते हैं कि वह जो फैसला करेंगी वह सही फैसला लेकिन उनके खिलाफ होगा इसलिए वह हाईकोर्ट की जज के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि उनके मामले की निष्पक्ष सुनवाई इस जज के कोर्ट में नहीं हो सकती इसलिए मामले को दूसरी अदालत में भेज दिया जाए, इसके लिए उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय को पत्र लिखा है कि उनके मामले को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत से दूसरी अदालत में भेज दिया जाए। उन्होंने कारण बताया है कि 9 मार्च को जस्टिस शर्मा ने बिना उनका पक्ष सुने ही आदेश पारित कर दिया है और ट्रायल कोर्ट के आदेश में हस्तपेक्ष करने की कोई वजह भी नहीं बताई गई है। निचली अदालत के आदेश पर रोक असाधारण परिस्थिति में ही लगाया जाता है ।९ मार्च के आदेश में बताया नहीं गया है कि असाधारण परिस्थिति क्या थी।

पत्र में यह भी बताया गया है कि सीबीआई की ओर से दायर याचिका में ईडी के मामले में भी आदेश पारित कर दिया गया है जबकि ईडी उसमे पक्षकार नहीं थी ।पत्र में कहा गया है कि इस तरह की याचिकाओं में जवाब दाखिल करने के लिए कम से कम चार से पांच सप्ताह का समय दिया जाता है ।इस मामले में ऐसा नहीं किया गया है। इससे साफ है कि केजरीवाल सोच रहे थे कि निचली अदालत के फैसले के बाद उनको चार पांच सप्ताह का समय मिलेगा और वह अपने को ईमानदार बताने का खूब प्रचार करेंगे लेकिन हाईकोर्ट के फैसले से सबकुछ टांय टांय फिस्स हो गया है। केजरीवाल को फिर से अदालत व वकीलों के चक्कर लगाने पड़ेंगे। केजरीवाल को पहले से अनुभव है कि हाईकोर्ट में उनके लिए पहले भी कुछ भी आसान नहीं था और आगे भी आसान नहीं रहने वाला है।

हाईकोर्ट के जज के फैसले से केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ने वाली है यानी वह निचली अदालत के फैसले के आधार पर जो राजनीति करना चाह रहे थे अब नहीं कर पाएंगे। हाईकोर्ट में उनके अनुकूल कोई फैसला आने वाला नहीं है क्योंकि यहां वह कुछ ऐसा नहीं कर सकते कि कोई फैसला उनके पक्ष में आए। यहां उनके खिलाफ ही फैसला आया है इसलिए वह उम्मीद नहीं कर सकते कि यहां उनके पक्ष में कोई फैसला आएगा ।वह नेता हैं,उनको राजनीति करना आता है तो उन्होंने हाईकोर्ट के फैसले पर राजनीति शुरू कर दी है यानी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर जज की निष्पक्षता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है ।चीफ जस्टिस क्या फैसला करते हैं यह आनेवाले दिनों में पता चलेगा लेकिन केजरीवाल ने अपने आने वाले बुरे दिनों की आशंका में अभी से बचाव की जमीन तैयार शुरू कर दी है यदि हाईकोर्ट मे फैसला उनके खिलाफ आता है तो वह यह कहकर राजनीति करेंगे कि हम तो पहले से कह रहे थे कि हमको निष्पक्ष न्याय की उम्मीद नहीं है और देखो ऐसा हुआ है, एक कट्टर ईमानदार नेता को भ्रष्ट बताने के लिए अदालत का दुरुपयोग किया गया है। राहुलगांधी कह ही रहे हैं कि सब बड़ी संस्थाएं क्रम्प्रोमाइज्ड है, केजरीवाल भी कहना शुरू कर देंगे।

सू- दोकू क्र.341

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.340 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

हौसले की उड़ान : साधारण गृहिणी से सफल उद्यमी बनीं सीता

नई दृष्टिबिंदु / मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर

मजबूत हौसले और सही मार्गदर्शन से साधारण परिस्थितियों में भी सफलता की नई राह बनाई जा सकती है। छत्तीसगढ राज्य के मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के संकुल केल्हारी अंतर्गत ग्राम चरवाही की निवासी श्रीमती सीता बाई ने अपने प्रयासों और स्व-सहायता समूह की शक्ति से यही कर दिखाया है। कभी सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने वाली साधारण गृहिणी आज बिहान- छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम)के सहयोग से आत्मनिर्भर बनकर गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं।

बिहान योजना से जुड़कर बदली जीवन की दिशा

विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम चरवाही में शिव शंकर महिला स्व-सहायता समूह का गठन 23 जनवरी 2018 को बिहान योजना के अंतर्गत किया गया था, जिसमें 10 महिलाएं सदस्य के रूप में जुड़ीं। विकासखंड मिशन प्रबंधन इकाई के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से समूह की महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया। इसी दौरान सीता बाई भी समूह से जुड़ीं और प्रारंभ में समूह की अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

स्व-सहायता समूह की ताकत से बदली जिंदगी

किराना दुकान, मुर्गी पालन और सेंट्रिंग प्लेट से बढ़ी आय

समूह को प्राप्त आरएफ और सीआईएफ राशि में से लगभग 60 हजार रुपये की सहायता लेकर सीता बाई ने अपने गांव में एक छोटी किराना दुकान शुरू की। धीरे-धीरे दुकान अच्छी तरह चलने लगी और यह उनके लिए स्थायी आय का साधन बन गई। दुकान से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये की आय होने लगी, जिसमें करीब 6 हजार रुपये शुद्ध लाभ मिलता है।

श्रीमती सीता बाई ने इसके साथ ही मुर्गी पालन और सेंट्रिंग प्लेट का कार्य भी शुरू किया। इन गतिविधियों से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये तक अतिरिक्त आय होने लगी। इस प्रकार अपनी मेहनत और लगन से सीता बाई ने आजीविका के कई स्रोत विकसित कर लिए।

समूह की शक्ति से मिली आर्थिक मजबूती

शिव शंकर महिला स्व-सहायता समूह को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 15 हजार रुपये की आरएफ राशि, 60 हजार रुपये की सीआईएफ राशि तथा 3 लाख रुपये का बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इसी सहयोग से समूह की महिलाओं ने अपने-अपने छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू किए और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ीं। सीता बाई ने भी अपने व्यवसाय में लगभग 80 हजार रुपये का निवेश कर मजबूत आजीविका आधार तैयार किया।

लखपति दीदी बनकर बनीं प्रेरणा

आज सीता बाई अपनी किराना की दुकान, मुर्गी पालन और सेंट्रिंग प्लेट के माध्यम से लगभग 1.60 लाख रुपये की वार्षिक आय अर्जित कर रही हैं। कभी साधारण गृहिणी के रूप में जीवन बिताने वाली सीता बाई आज गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वे अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती हैं। सीता बाई का कहना है कि उन्होंने अपने परिवार के लिए जो सपना देखा था, वह मेहनत, आत्मविश्वास और समूह के सहयोग से साकार हुआ है।

बिहान योजना ने उन्हें न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाया, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान से भरा नया जीवन भी दिया। सीता बाई की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, अवसर और सामूहिक सहयोग मिले तो वे न केवल अपने जीवन को बदल सकती हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन सकती हैं।

बिहान परियोजना से मिला आत्मनिर्भरता का संबल

- सिलाई सेंटर और मिनी राइस मिल से प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये की आय
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लखपति संवाद कार्यक्रम में किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

मुंगेली जिले के पथरिया विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम गोइन्द्री की निवासी श्रीमती शांतामणी गेंदले आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और संघर्ष से सफलता की मिसाल बन गई हैं। कभी आर्थिक तंगी और कर्ज के बोझ से जूझने वाली शांतामणी ने अपनी मेहनत, आत्मविश्वास तथा स्व-सहायता समूह के सहयोग से न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) को बिहान परियोजना के नाम से संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। इसी परियोजना से जुड़कर शांतामणी गेंदले ने भी अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की नई शुरुआत की।

शांतामणी गेंदले संस्कार महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं और ग्राम संगठन तथा संकुल स्तरीय संगठन (सीएलएफ) में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वतर्मान में वे एफएलसीआरपी (वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्ति) के रूप में भी कार्य करते हुए ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित लखपति संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।

कुछ वर्ष पूर्व तक शांतामणी का जीवन अत्यंत संघषर्पूर्ण था। सीमित आय और आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण उन्हें छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी साहूकारों से ऋण लेना पड़ता था। ऊंची ब्याज दरों के कारण कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा था, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना भी चुनौतीपूर्ण हो गया था। उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन तब आया जब वे बिहान परियोजना के अंतर्गत संचालित संस्कार महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत की आदत विकसित की और वित्तीय प्रबंधन की बारीकियों को समझा। समूह के माध्यम से उन्हें रिवॉल्विंग फंड (आरएफ) और सामुदायिक निवेश कोष (सीआईएफ) की सहायता प्राप्त हुई। इसके साथ ही बैंक लिंकेज तथा संकुल स्तरीय संगठन के माध्यम से उन्हें ऋण सुविधा भी मिली, जिससे उन्होंने आजीविका के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

प्राप्त ऋण राशि का उपयोग उन्होंने आय बढ़ाने वाले कार्यों में निवेश के रूप में किया। उन्होंने अपने गांव में सिलाई सेंटर प्रारंभ किया, जहां वे सिलाई का कार्य करती हैं। इसके साथ ही उन्होंने मिनी राइस मिल की स्थापना कर गांव में ही धान कुटाई की सुविधा उपलब्ध कराई। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप आज वे प्रतिमाह लगभग 20 हजार से 30 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

शांतामणी की उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं हैं। एफएलसीआरपी के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने 60 से अधिक स्व-सहायता समूहों को लगभग 1 करोड़ 38 लाख रुपये की ऋण राशि उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त उन्होंने 30 समूहों को रिवॉल्विंग फंड दिलाने में सहयोग किया तथा 80 से अधिक समूहों को वित्तीय साक्षरता प्रदान कर बैंकिंग और वित्तीय लेन-देन के प्रति जागरूक बनाया। आज शांतामणी गेंदले न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सशक्त बनी हैं, बल्कि अपने अनुभव और मार्गदर्शन से अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका यह सफर इस बात का उदाहरण है कि बिहान परियोजना जैसे प्रयास ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण की राह पर बढ़ रहीं लखपति दीदी

राज्य में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित योजनाओं का प्रभाव अब गांव-गांव में दिखाई देने लगा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) और महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार और समूह आधारित गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और लखपति दीदी के रूप में अपनी नई पहचान बना रही हैं। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा विकासखंड के ग्राम पोड़ीदल्हा की निवासी श्रीमती पुष्पलता साहू इसका प्रेरक उदाहरण हैं। पहले उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो जाता था। श्रीमती साहू बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें हर माह मिलने वाली सहायता राशि से परिवार की आर्थिक स्थिति में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। इस राशि से उन्हें घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी मिली। इसके साथ ही वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर स्वयं सहायता समूह के माध्यम से विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में शामिल हुई। समूह की ताकत और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने अपनी आय में लगातार वृद्धि की और आज वे लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। श्रीमती पुष्पलता साहू न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। वे महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आजीविका गतिविधियां शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं और उन्हें मार्गदर्शन भी देती हैं, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को गरीबी से बाहर निकलकर सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया है। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और लखपति दीदीह्न के रूप में अपनी पहचान बनाने का अवसर मिला है।

मजदूरी छोड़ राजकुमारी बनीं लखपति दीदी

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

बिहान से जुड़कर कर बनीं कार और ट्रेक्टर की मालकिन

राजकुमारी ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर स्वावलंबन का एक नया इतिहास रचा है। बस्तर के विकासखंड दरभा अंतर्गत ग्राम लेंड्रा की निवासी राजकुमारी कश्यप की जीवन यात्रा संघर्ष और आत्मविश्वास का एक जीवंत उदाहरण है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले राजकुमारी का जीवन अनिश्चितताओं से भरा था। उनके पास कोई स्थायी रोजगार नहीं था और वे अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए खेतों में मजदूरी करने या जंगलों से प्राप्त वनोपज एवं अन्य संसाधनों पर निर्भर थीं। उस दौर में वे न केवल गंभीर आर्थिक तंगी से जूझ रही थीं।

राजकुमारी के जीवन में बदलाव की शुरुआत बिहान योजना के माध्यम से हुई, जब वे वर्ष 2015 में सूरजमुखी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से मिलने वाले प्रशिक्षणों ने न केवल उनके भीतर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा जगाई, बल्कि उन्हें अपनी समस्याओं के खिलाफ मुखर होना भी सिखाया। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने पशुपालन, चूजा ब्रुडिंग इकाई तथा राशन दुकान के संचालन जैसे विविध व्यवसायों को अपनी आजीविका के रूप में अपनाया। आज वे एक कुशल पशुपालन उद्यमी के रूप में न केवल अपने ब्लॉक, बल्कि अन्य विकासखंडों में भी चूजों की सप्लाई और पशुओं के टीकाकरण का कार्य सफलतापूर्वक कर रही हैं।

राजकुमारी दीदी की यह उद्यमशीलता उनके जीवन में एक बड़ी क्रांति लेकर आई है। कभी दूसरों के घर मजदूरी करने वाली राजकुमारी की आय 11 वर्षों के भीतर साढ़े तीन लाख से चार लाख रुपए तक पहुँच गई है, जिससे उनके परिवार का जीवन स्तर पूरी तरह बदल गया है। कभी मिट्टी के घर में रहने वाली राजकुमारी दीदी ने अब अपना पक्का घर बना लिया है और उनके पास खेती के लिए ट्रैक्टर, दो मोटरसाइकिल तथा एक चार पहिया कार भी है। आर्थिक रूप से समृद्ध होने के साथ-साथ उन्होंने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाई और अपनी सामाजिक पहचान भी बनाई। वर्तमान में वे संकुल संगठन की अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। अब उनका लक्ष्य अपनी खुद की हैचरी (मदर यूनिट) स्थापित करना है, ताकि वे अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तार दे सकें।

कुपोषण और एनीमिया से जूझने वाली महिला बनी स्वास्थ्य जागरुकता की मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा जिले के बेरला परियोजना अंतर्गत ग्राम देवरी की निवासी श्रीमती लीला निषाद आज अपने गांव की महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता की प्रेरक मिसाल बन गई हैं। कभी कुपोषण और एनीमिया जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने वाली लीला का जीवन राष्ट्रीय पोषण माह अभियान से जुड़ने के बाद सकारात्मक रूप से बदल गया।

लीला निषाद का विवाह ग्राम देवरी निवासी भागीरथी निषाद से हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के अभाव में वर्ष 2017 में उन्होंने एक कुपोषित बच्चे को जन्म दिया, जिसकी जन्म के कुछ दिनों बाद मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद उनका स्वास्थ्य भी लगातार गिरता गया और जांच में वे एनीमिया से ग्रस्त पाई गईं।

इसी दौरान गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अमरौतिन साहू ने उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह के पोषण मेले में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। मेले में लीला को संतुलित आहार, हरी सब्जियों, दालों, फलों के महत्व तथा आयरन, कैल्शियम और फोलिक एसिड के नियमित सेवन की जानकारी दी गई। इसके बाद लीला ने अपनी जीवनशैली में बदलाव करते हुए संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और स्वच्छता को अपनाया। गर्भवती होने पर उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी सभी सावधानियों का पालन किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया।

आज लीला निषाद स्वयं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रही हैं। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही जानकारी और जनभागीदारी से सरकारी अभियान लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

बैसाखियों के सहारे भी बुलंद हौसला : दिव्यांग विश्नोई बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

धमतरी कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित सक्षम कैंटीन से जुड़ी दिव्यांग विश्नोई की, जिन्होंने शारीरिक कठिनाइयों के बावजूद आत्मनिर्भर बनने की राह चुनकर समाज के लिए मिसाल पेश की है। विश्नोई बचपन से ही शारीरिक दिव्यांगता से जूझ रही हैं और उन्हें चलने-फिरने के लिए बैसाखियों का सहारा लेना पड़ता है। इसके बावजूद उन्होंने कभी अपनी परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। वे हमेशा अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने की इच्छा रखती थीं। लंबे समय तक अवसर की तलाश के बाद जिला प्रशासन के सहयोग से उनकी यह इच्छा अब साकार हो रही है।

कलेक्ट्रेट परिसर में शुरू हुई सक्षम कैंटीन ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई है। यहां वे चाय-नाश्ता और अन्य खाद्य सामग्री के संचालन से जुड़ी हुई हैं। विश्नोई बताती हैं कि कैंटीन शुरू होने के बाद से ही लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत तथा आसपास के विभिन्न कार्यालयों में आने वाले अधिकारी-कर्मचारी और आम नागरिक यहां आकर चाय-नाश्ते का आनंद लेते हैं।

हाल ही में कलेक्टर अविनाश मिश्रा जब सक्षम कैंटीन पहुंचे तो उन्होंने श्रीमती विश्नोई से मुलाकात कर उनकी हौसला-अफजाई की। इस दौरान कलेक्टर ने उनसे बैठकर बातचीत करने का आग्रह किया, लेकिन श्रीमती विश्नोई बैसाखियों के सहारे खड़ी रहीं और आत्मविश्वास के साथ अपने काम और बिक्री के बारे में जानकारी दी। उनके आत्मविश्वास और लगन को देखकर हर कोई प्रेरित हुए बिना नहीं रह सका।

श्रीमती विश्नोई का कहना है कि यह कैंटीन केवल रोजगार का माध्यम नहीं है, बल्कि उनके आत्मसम्मान

और आत्मविश्वास को भी मजबूत करने वाला अवसर है। अब उन्हें यह भरोसा हो गया है कि वे भी समाज में सम्मानपूर्वक अपनी पहचान बना सकती हैं। विश्नोई उन दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा बन गई हैं, जो परिस्थितियों के कारण खुद को कमजोर समझ लेते हैं। बैसाखियों के सहारे आगे बढ़ती उनकी यह यात्रा यह संदेश देती है कि सच्ची शक्ति शरीर में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प में होती है। सक्षम कैंटीन के माध्यम से उन्होंने यह साबित कर दिया है कि अवसर मिले तो दिव्यांगजन भी आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में मजबूती से आगे बढ़ सकते हैं।

प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने भू-जल संरक्षण कार्यों का किया अध्ययन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून से भारतीय वन सेवा वर्ष 2025-26 बैच के 133 प्रशिक्षु अधिकारी दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में जल एवं मृदा संरक्षण के क्षेत्र में वन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य अब राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बनते जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों के अध्ययन के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून से भारतीय वन सेवा वर्ष 2025-26 बैच के 133 प्रशिक्षु अधिकारी अध्ययन दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। यह दल 8 से 15 मार्च तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर वन विभाग द्वारा किए गए भू-जल संरक्षण और जल संवर्धन कार्यों का अध्ययन कर रहे हैं। प्रशिक्षण के पहले चरण में 9 मार्च को दक्षिण सिंगपुर परिक्षेत्र के पम्पार नाला का भ्रमण कराया गया। यहां अधिकारियों को बताया गया कि किस प्रकार तकनीकी उपायों के माध्यम से मिट्टी के कटाव को रोका गया और जल स्तर बढ़ाने में सफलता मिली।

इस दौरान अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक शालिनी रैना और मुख्य वन संरक्षक मणिवासगन एस. सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षु अधिकारियों को क्षेत्रीय कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। धमतरी वनमंडलाधिकारी श्री जाधव श्रीकृष्ण ने बताया कि पम्पार नाला क्षेत्र में ब्रशवुड चेकडेम, लूज बोल्डर संरचना और गेबियन संरचना बनाए गए हैं, जिनसे मिट्टी का कटाव कम हुआ है। साथ ही ग्रामीणों को सिंचाई के लिए पानी और वन्यजीवों को सालभर जल उपलब्ध होने लगा है। प्रशिक्षु अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए उन्हें आठ समूहों में विभाजित किया गया है, जिनका मार्गदर्शन राज्य के विभिन्न जिलों से आए अनुभवी डीएफओ कर रहे हैं।

अध्ययन दौरे के दौरान दल कुसुमपानी, कांसा और साजापानी नालों का भी भ्रमण करेगा तथा वनधन विकास केंद्र, दुगली में वन प्रबंधन से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त करेगा। यह अध्ययन दौरा इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और मृदा संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास देश के लिए एक मॉडल बनते जा रहे हैं।

राजनांदगांव स्टेशन में ट्रेन यात्री हुआ बेहोश, रेलवे पुलिस ने बचाई जान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 'ऑपरेशन सेवा' के तहत एक बीमार यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाने में मदद की। यह घटना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत राजनांदगांव में हुई, जहां आरपीएफ ने अपनी तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, नागपुर सुरक्षा नियंत्रण कक्ष और स्टेशन मास्टर राजनांदगांव से सूचना प्राप्त हुई थी कि गाड़ी संख्या 18029 डाउन एक्सप्रेस के कोच र-03 (बर्थ नंबर 11) में यात्रा कर रहे 22 वर्षीय यात्री उज्ज्वल कुभंकर की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उज्ज्वल पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के निवासी हैं। मंडल सुरक्षा आयुक्त दीप चंद्र आर्य के निर्देशन और पोस्ट प्रभारी तरुणा साहू के नेतृत्व में आरपीएफ की टीम ने तुरंत कार्रवाई की। ट्रेन के प्लेटफॉर्म नंबर 01 पर पहुंचते ही ड्यूटी पर तैनात सहायक उप निरीक्षक मीनू कुमार और प्रधान आरक्षक राजेन्द्र रायकवाड़ ने अन्य रेलकर्मियों की मदद से बीमार यात्री को ट्रेन से नीचे उतारा। एम्बुलेंस आने में हो रही देरी को देखते हुए, आरपीएफ ने 'ऑपरेशन सेवा' के तहत त्वरित निर्णय लिया और डायल 112 की मदद से वाहन की व्यवस्था की। इसके बाद, यात्री उज्ज्वल कुभंकर को उनके साथी के साथ शासकीय अस्पताल पेंड्री, राजनांदगांव में उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

टीचरों की कमी को लेकर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने विधानसभा में स्वीकारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। राज्य में कई स्कूलों में शिक्षक-छात्र अनुपात के नियम का पालन नहीं हो पा रहा है। इस बात को स्वयं शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने विधानसभा में स्वीकार किया है। विधानसभा में ध्यानाकर्षण के दौरान मंत्री ने बताया कि नियम के अनुसार हर 30 छात्रों पर एक शिक्षक होना जरूरी है, लेकिन प्रदेश के सभी स्कूलों में यह व्यवस्था फिलहाल पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है। यह जानकारी कांग्रेस विधायक राघवेंद्र सिंह के सवाल के जवाब में दी गई। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या राज्य के हर स्कूल में शिक्षक-छात्र अनुपात के नियम का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। राघवेंद्र सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या सरकार इस संबंध में कोई आदेश जारी करेगी और शिक्षकों की नई भर्ती की जाएगी ताकि सभी स्कूलों में निर्धारित अनुपात लागू किया जा सके। मंत्री ने जवाब में स्वीकार किया कि फिलहाल सभी स्कूलों में यह मानक पूरा नहीं हो पाया है।

कबीरधाम में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए शुरू होगा एक बड़ा अभियान

वृहत एचपीवी टीकाकरण अभियान में 12 हजार से अधिक बालिकाओं को लगेगा टीका

सराहनीय पहल

तीन माह तक चलेगा विशेष अभियान, 14-15 वर्ष की बालिकाओं का होगा एचपीवी टीकाकरण, टास्क फोर्स की बैठक में बनी कार्ययोजना

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

जिले में सर्वाइकल कैंसर से बचाव में लिए वृहत एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान शुरू होने जा रहा है। राज्य शासन की संवेदनशील पहल पर यह वृहत कार्यक्रम प्रारंभ होने जा रहा है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक गत दिवस आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने इस टीकाकरण अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि 14 वर्ष से अधिक एवं 15 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को एच.पी.वी. टीकाकरण किया जाएगा। यह अभियान जिले के चिन्हांकित स्वास्थ्य संस्थाओं में संचालित किया जाएगा तथा एच.पी.वी. का टीका पूरी तरह सुरक्षित है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए 14-15 वर्ष की बालिकाओं के चिन्हांकन, पालकों को जानकारी प्रदान करना और आवश्यक सहमति लेने का कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में एक बड़ी समस्या है। ऐसे में यह टीकाकरण कार्यक्रम बच्चियों जरूरी सुरक्षा कवच प्रदान करेगी। इसका लाभ जिले की हर पात्र बालिका को मिलना चाहिए।

सीएमएचओ डॉ. डी.के. तुरे ने अभियान के बारे में बताया कि प्रतिवर्ष विश्व में लगभग 74 हजार से 77 हजार महिलाओं की मृत्यु सर्वाइकल कैंसर से होती है, जिसमें से लगभग एक-तिहाई मौतें भारत में होती हैं। करीब 48 प्रतिशत मामलों को समय रहते पहचान कर बचाया जा सकता है, लेकिन 50 से 60 प्रतिशत मामलों की पहचान अंतिम चरण में होती है। एच.पी.वी. वैक्सीन (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगाया जाता है।

टीकाकरण के लिए आधार कार्ड के आधार पर आयु का निर्धारण किया जाएगा। एच.पी.वी. वैक्सीन की सिंगल डोज (0.5 एम.एल.) दी जाएगी। यह अभियान उन शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में संचालित किया जाएगा, जहां मेडिकल ऑफिसर पदस्थ हैं। अभियान तीन माह तक चलेगा और वैक्सीन बायीं ऊपरी बांह में लगाया जाएगा। यह टीका गर्भावस्था अथवा खाली पेट में नहीं लगाया जाता है। जिले में कुल जनसंख्या के आधार पर 12 हजार से अधिक बालिकाओं को टीकाकृत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

टीकाकरण के पश्चात तजर्नी उंगली में मार्किंग की जाएगी। टीकाकरण से पहले पालकों से सहमति ली जाएगी। यह अभियान नियमित टीकाकरण कार्यक्रम से अलग संचालित किया जाएगा, जिसके लिए पृथक काययीजना तैयार की जाएगी। वैक्सीन लगाने के बाद हितग्राहियों को आधे घंटे तक स्वास्थ्य केन्द्र में रुकना होगा तथा इसके पश्चात उन्हें टीकाकरण कार्ड प्रदान किया जाएगा।

अभियान के सफल संचालन के लिए शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहेगा। इन विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर काययीजना तैयार की जाएगी। निर्धारित आयु वर्ग की बालिकाओं के पालकों एवं शिक्षकों को वैक्सीन के संबंध में जानकारी देकर उनकी सहमति प्राप्त की जाएगी।

जिले के चिन्हांकित स्वास्थ्य केन्द्रों में निर्धारित तिथि पर सहमति के बाद शाला में अध्ययनरत तथा शाला त्यागी बालिकाओं को चिकित्सक की उपस्थिति में एच.पी.वी. वैक्सीन लगाया जाएगा। टीकाकरण के बाद आधे घंटे की निगरानी के पश्चात सामान्य स्थिति में उन्हें टीकाकरण कार्ड देकर घर भेजा जाएगा। जिले में 14-15 वर्ष की बालिकाओं को टीकाकृत करते हुए इस अभियान को शीघ्र पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

मासूम बच्ची की मदद करने वाले दो युवकों को पुलिस ने किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मानवता और संवेदनशीलता का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए दो युवकों ने एक खोई हुई मासूम बच्ची को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इस सराहनीय कार्य के लिए आज राजनांदगांव पुलिस द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।

दोपहर लगभग 2 बजे अरशद खान एवं राजा खान नामक युवकों को बाजार क्षेत्र में लगभग डेढ़ वर्ष की एक बालिका रोते हुए और अकेले भटकते हुए दिखाई दी। दोनों युवकों ने तुरंत मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बच्ची को अपने साथ लिया, उसे शांत कराया और उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा।

इसके बाद उन्होंने चिखली थाना में पदस्थ आरक्षक से जानकारी प्राप्त कर चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क किया तथा बच्ची को विधिवत रूप से चाइल्ड वेलफेयर टीम के सुपुर्द कर दिया। रात्रि में पुलिस द्वारा बच्ची के परिजनों की जानकारी प्राप्त होने पर बच्ची का आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण (मेडिकल) कराया गया और उसके बाद बच्ची को सुरक्षित रूप से उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया।

इस सराहनीय और मानवतापूर्ण कार्य के लिए आज पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर द्वारा राजनांदगांव पुलिस की ओर से अरशद खान और राजा खान को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। राजनांदगांव पुलिस ने इस अवसर पर कहा कि ऐसे मानवीय कार्य समाज में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं तथा अन्य लोगों को भी जरूरतमंदों की मदद के लिए प्रेरित करते हैं।

नवनिर्वाचित राज्य सभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा को नगर निगम जोन-1 के अधिकारियों ने दी बधाई

रायपुर। नवनिर्वाचित राज्य सभा सदस्य रायपुर खमतराई निवासी श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को रायपुर नगर पालिक निगम जोन 1 के अधिकारियों ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर बुके प्रदत्त कर निर्वाचन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्य सभा सदस्य निर्वाचित होने पर श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर ने कार्यपालन अभियंता द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख, जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमलाल देवांगन सहित जोन 1 अधिकारियों के साथ बुके प्रदत्त कर हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

एसपी शर्मा ने महिला थाना प्रभारी व प्रधान आरक्षक को किया सस्पेंड

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के आरोप में महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक गीतांजलि सिंन्हा एवं कोतवाली थाने में तैनात प्रधान आरक्षक 926 चंद्रेश सिंन्हा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ने आदेशित किया गया है।

महिला थाना प्रभारी के संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मंजू लता बाज को एवं प्रधान आरक्षक चंद्रेश सिंन्हा के मामले में सीएसपी अलेक्जेंडर किरो को 07 दिवस के भीतर मामले की जांच कर जांच प्रतिवेदन पुलिस अधीक्षक के समक्ष पेश करने का आदेश किया गया है, प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट लाने के लिए राजनांदगांव कोतवाली एवं बाग नदी के थाना प्रभारी बदल दिए गए हैं।

राजनांदगांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 12 मार्च को दो आवेदक द्वारा एक डेढ़ साल की अज्ञात बच्ची को, जिसके माता-पिता के संबंध में कोई जानकारी नहीं होने से सड़क में

कार्रवाई

कोतवाली व बागनदी के थाना प्रभारी बदले गए

लावारिस अवस्था में मिलने पर महिला थाना लेकर सूचना देने आने पर महिला थाना प्रभारी द्वारा तत्काल विधिसम्मत कार्यवाही नहीं करते हुए कंट्रोल रूम तथा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित नहीं किया गया एवं आवेदको को बच्ची के संबंध में डायल-112, चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098 में कॉल करके सूचना देने कहते हुए अपनी पदीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के फलस्वरूप इसी प्रकार इसी मामले में

12 मार्च को थाना कोतवाली में एक नाबालिक बच्चे के बालगृह में रखे जाने की सूचना मिलने पर उक्त सूचना को थाना प्रभारी सहित अन्य किसी भी स्टाफ को जानकारी नहीं देकर अपने कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के फलस्वरूप श्रीमती गीताजंलि सिन्हा, प्रभारी महिला थाना, राजनांदगाँव व कोतवाली थाना में तैनात प्रधान आरक्षक 926 चंद्रेश सिंन्हा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर रक्षित केन्द्र, राजनांदगाँव में संबद्ध किया जाता है।

उप निरीक्षक गीताजंलि सिन्हा व प्रधान आरक्षक 926 चंद्रेश सिंन्हा बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेगी एवं तीनों गणना में उपस्थित रहेगी। निलंबन अवधि में उप निरीक्षक /प्रधान आरक्षक को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से कोतवाली के थाना प्रभारी निरीक्षक नंदकिशोर गौतम को कोतवाली थाना से हटाकर बागनदी थाने का प्रभाव दिया गया है वहीं निरीक्षक मिलन सिंह को थाना प्रभारी बागनदी से थाना प्रभारी राजनांदगांव कोतवाली का प्रभार सौपा गया है।

लकड़ी के अवैध परिवहन पर कार्रवाई, पिकअप वाहन जप्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के प्रबंध संचालक के निर्देशानुसार वन क्षेत्रों में वनों की अवैध कटाई, अतिक्रमण और अवैध उत्खनन को रोकने के लिए सभी परियोजना मंडलों में नियमित गश्त की जा रही है। इसी क्रम में कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर की टीम ने गश्ती के दौरान अवैध लकड़ी परिवहन पर कार्रवाई की। परिक्षेत्र भैंसाझार के कक्ष क्रमांक पी-1604 में पलाश प्रजाति की 02 नग जलाऊ चट्टा लकड़ी को महिंद्रा पिकअप वाहन से अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। वन विभाग की टीम ने वाहन को पकड़कर पिकअप वाहन क्रमांक सीजी-05 एबी- 8843 को जप्त कर लिया।

इस मामले में आरोपी अमृत लाल धीवर, पिता नरोत्तम प्रसाद धीवर, निवासी गिरजाबंध, नवागांव,

तहसील रतनपुर, जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41(2)(ख) और 52 के तहत प्रकरण क्रमांक 80/3991, दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई क्षेत्रीय महाप्रबंधक अभिषेक सिंह और मंडल प्रबंधक सत्यदेव शर्मा के मार्गदर्शन में परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी वैभव साहू के नेतृत्व में की गई।

अभियान में सहायक परियोजना क्षेत्रपाल अश्वनी मेहरा, अरुण कुमार सिंह, तोषपाल साहू, गोविंदा वर्मा तथा क्षेत्ररक्षक कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, कृपानंद जॉगड़े, कार्तिकराम धुर्वे सहित अन्य कर्मचारियों ने सहयोग किया। प्रबंध संचालक प्रेम कुमार ने वन अपराध के विरुद्ध की गई इस त्वरित कार्रवाई के लिए टीम को बधाई दी है। साथ ही प्रदेश के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को वन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए इसी प्रकार सतर्क रहकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वन सुरक्षा और संवर्धन में अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका का उल्लेख आगामी गोपनीय प्रतिवेदन में भी किया

नियमित दिन और रात्रि गश्त से वन क्षेत्रों की सुरक्षा और संरक्षण को मिल रही है मजबूती

वन विभाग की कार्रवाई, वन भूमि पर अवैध जुताई करते ट्रैक्टर जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वनों को अवैध कटाई, आग और अतिक्रमण से बचाना (संरक्षण) तथा नए पेड़ लगाकर वन क्षेत्र को बढ़ाना है 'छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा अवैध कटाई, अतिक्रमण और उत्खनन पर रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। प्रबंध संचालक वन विकास निगम के निर्देशानुसार सभी परियोजना मंडलों में नियमित दिन और रात्रि गश्त की जा रही है, जिससे वन क्षेत्रों की सुरक्षा और संरक्षण को मजबूती मिल रही है।

इसी क्रम में कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर की गश्ती टीम ने सूचना मिलने पर परिक्षेत्र भैंसाझार के कक्ष क्रमांक पी-1608 में कार्रवाई की। यहां वन भूमि पर ट्रैक्टर के माध्यम से अवैध रूप से जुताई करते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा गया।

वन विभाग ने वाहन स्वामी के विरुद्ध वन अपराध दर्ज करते हुए हरे रंग का सोल्ड जॉन डीयर ट्रैक्टर (चेचिस क्रमांक आईपी वाई-

5310ईएचएसएफ-071116) जप्त कर अभिरक्षा में ले लिया है। आरोपी लोरिकराम यादव, पिता बरातू यादव, निवासी फूलवारीपारा, पोस्ट सिल्ली, थाना पाली, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33(1)(ग) एवं धारा 52 के तहत प्रकरण क्रमांक 99/19, 11 मार्च 2026 को दर्ज किया गया है।

यह कार्रवाई क्षेत्रीय महाप्रबंधक बिलासपुर अभिषेक सिंह और मंडल प्रबंधक कोटा परियोजना मंडल बिलासपुर सत्यदेव शर्मा के निर्देशन में परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी वैभव साहू के नेतृत्व में की गई। अभियान में सहायक परियोजना क्षेत्रपाल तोषपाल साहू, अश्वनी मेहरा, अरुण कुमार सिंह, गोविंदा वर्मा, क्षेत्ररक्षक कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, कृपानंद जॉगड़े,

कार्तिकराम धुर्वे तथा भैंसाझार परिक्षेत्र के रोपण सुरक्षा श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वन अपराध के विरुद्ध की गई इस त्वरित कार्रवाई पर प्रबंध संचालक प्रेम कुमार ने टीम को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने प्रदेश के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को वन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए इसी प्रकार सतकर्ता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग गश्त, अग्नि सुरक्षा, और चेक पोस्ट के माध्यम से वनों के अतिक्रमण रोकने का कार्य करता है। वन सुरक्षा एवं संवर्धन में अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका उल्लेखनीय है।

किसानों की आय बढ़ाने व योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि एवं संवर्गीय विभागों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुधन विकास एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लक्ष्य की प्राप्ति तथा किसानों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली गई।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित आजीविका को मजबूत बनाने के लिए विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण तथा बागवानी को बढ़ावा देने के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

बैठक में कृषि विभाग की योजनाओं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि यंत्रीकरण, उन्नत बीज वितरण तथा विभिन्न कृषि विस्तार गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि किसानों को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही न बरती जाए।

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने फल, सब्जी एवं बागवानी फसलों के रकबे में वृद्धि करने तथा किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलें किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए इस क्षेत्र में योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जाए। पशुधन विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पशु टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, पशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा गौठानों में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने पशुपालकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने तथा पशुधन आधारित आय बढ़ाने के लिए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने तालाबों में मत्स्य बीज संचयन, मत्स्य उत्पादन बढ़ाने तथा मत्स्य पालकों को उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए मत्स्य पालकों को तकनीकी मार्गदर्शन और योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने, प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

ताहिर राज भसीन ने पूरी की अपनी आगामी अनाम फिल्म की शूटिंग

अभिनेता ताहिर राज भसीन ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। यह विक्रम फडनिस के निर्देशन में बना प्रोजेक्ट है। हालांकि, अभी तक इस फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। अभिनेता ने अपनी शूटिंग पूरी करने के बाद सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही एक लंबा नोट भी लिखा है।

दिखाई शूटिंग की झलक

ताहिर राज भसीन ने शूटिंग पूरी करने के बाद इंस्टाग्राम पर शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में ताहिर अपने किरदार में और कुछ अहम सीन की शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपनी टीम के साथ बिताए मजेदार पलों की भी झलक प्रशंसकों के साथ साझा की। उन्होंने शूटिंग के बीच आराम करते और एक-दूसरे के साथ समय बिताते हुए कलाकारों और क्रू की तस्वीरें पोस्ट कीं। तस्वीरों में फिल्म की बाकी कास्ट सयामी खेर और विनीत कुमार सिंह भी नजर आ रहे हैं।

सभी का जताया आभार

तस्वीरें साझा करते हुए ताहिर ने प्रोजेक्ट के पूरा होने पर एक भावुक संदेश भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शूटिंग पूरी हो गई। यह एक शानदार सफर रहा। विक्रम फडनिस आपका धन्यवाद जिन्होंने एक दिल को छू लेने वाला किरदार लिखा और निर्देशित किया, जिसे निभाना मेरे लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। आपकी इस मेहनत से बनी फिल्म को दुनिया के साथ साझा करने का बेसब्री से इंतजार है। ओजाजय, लेंस के जादूगर हैं। हर दिन अपनी उत्कृष्टता लाने और कलात्मकता के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए धन्यवाद। हद से अधिकऊर्जावान क्रू, असिस्टेंट्स और शानदार सह-कलाकारों का इस मस्ती और शानदार सफर के लिए धन्यवाद।'

अभी सामने नहीं आया फिल्म का नाम

हालांकि, अभी तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। न ही फिल्म की कहानी के बारे में कोई अधिक जानकारी सामने आई है। तस्वीरों में दिखी झलक से पता चलता है कि इस फिल्म में ताहिर राज भसीन के साथ सैयामी खेर और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह विक्रम फडनिस की हिंदी फिल्म निर्देशक के रूप में पहली फिल्म है।

तापसी पन्नू ने विद्या बालन को बताया अपना 'हीरो'

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था। इस फिल्म की कहानी भारत के ऐतिहासिक मार्स ऑर्बिटर मिशन से प्रेरित थी और इसमें वैज्ञानिकों की उस टीम को दिखाया गया था, जिसने इस मिशन को सफल बनाया। फिल्म में तापसी और विद्या दोनों ने वैज्ञानिकों का किरदार निभाया था।

किआरा आडवाणी नहीं होगी 'मधुबाला' की बायोपिक का हिस्सा

भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक मधुबाला की बायोपिक काफी वक्त से चर्चा का विषय बनी हुई है। बीच में ऐसी चर्चाएं थीं कि कियारा आडवाणी इस बायोपिक में मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। जबकि संजय लीला भंसाली इस फिल्म का निर्माण करेंगे। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि कियारा इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। इंडस्ट्री से जुड़े एक अदरूनी सूत्र ने इस खबर को खारिज किया है। सूत्र ने बताया कि संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित मधुबाला की बायोपिक में कियारा आडवाणी के अभिनय की खबरों में कतई सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह निराधार और अटकलबाजी पर आधारित हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। लेकिन यह बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन जसमीत के. रीन करेंगी। जसमीत ने आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा स्टारर ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा 'डार्लिंग्स' का भी निर्देशन किया था।

फिल्मों में बढ़ते खून-खराबे के ट्रेंड पर नाराज हुई करीना कपूर खान

करीना कपूर ने बॉलीवुड फिल्मों में बदलते ट्रेंड को लेकर अपनी राय रखी है और आजकल की फिल्मों के कॉन्सेप्ट पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि कैसे आज की फिल्में पुरानी के मुकाबले काफी अलग हैं।

खून-खराबे के ट्रेंड पर जाहिर की चिंता

करीना कपूर खान ने हाल ही में फिल्मों में बढ़ती हिंसा और खून-खराबे के ट्रेंड पर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि आजकल की कई फिल्मों में पहले जैसी मस्ती, रंग, गाने और रोमांस की कमी महसूस होती है। हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि मौजूदा समय में कई फिल्में ज्यादा 'क्राइम और खून' पर ज्यादा फोकस करती हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की फिल्मों में पहले जैसा मनोरंजन, एनर्जी, रंग और रोमांस देखने को कम मिलता है, जो कभी बॉलीवुड की पहचान हुआ करता था। करीना ने यह भी माना कि सिनेमा में बढ़ती 'हाइपर-मस्कुलिनिटी' यानी अत्यधिक मर्दानगी दिखाने का चलन उन्हें थोड़ा डराता है। उनका मानना है कि फिल्में सिर्फ एक्शन और हिंसा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें प्यार, म्यूजिक और भावनाएं भी उतनी ही जरूरी हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

एल्विश ने जिया शंकर को रोमांटिक अंदाज में किया प्रपोज?

एल्विश यादव और जिया शंकर की सगाई और शादी की खबरें पिछले काफी वक्त से चर्चा में बनी हुई है। लेकिन अब एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ये दावा किया जा रहा है कि एल्विश ने जिया को प्रपोज किया है। एल्विश के प्रपोजल को जिया ने एक्सेप्ट भी कर लिया है। लेकिन क्या यह सच है? क्योंकि जिया ने पहले बताया था कि उनका एक बॉयफ्रेंड है।

एंगेज्ड सीजन 2 के नए एपिसोड का है वीडियो

दरअसल, रियलिटी शो एंगेज्ड सीजन 2 के हालिया एपिसोड में एल्विश ने एक घुटने पर बैठकर, हाथ में लाल गुलाब लेकर जिया को प्रपोज किया। एल्विश ने जिया से पूछा, 'क्या तुम मुझसे शादी करोगी?' इस पर जिया ने जवाब दिया, 'मैं तुमसे प्यार करती हूं और तुमसे शादी करूंगी।' दोनों का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद कई फैंस दोनों को बधाई भी दे रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि यह प्रस्ताव शो के लिए रचा गया था। कहानी में आगे क्या होता है, यह जानने के लिए दर्शकों को आगामी एपिसोड का इंतजार करना होगा।

जिया ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की थी बात

इससे पहले फ्री प्रेस जर्नल के साथ बातचीत में जिया शंकर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में बात की थी। हालांकि, उन्होंने उसका नाम नहीं बताया था। एल्विश के साथ अपनी सगाई की प्रमोशनल पोस्ट से मचे बवाल पर टिप्पणी करते हुए जिया ने कहा था कि उनके परिवार और उनके बॉयफ्रेंड के परिवार दोनों को इस दृश्य की जानकारी थी। इसलिए किसी को आश्चर्य नहीं हुआ।

लॉफ्टर शेफ 3 में नजर आ रहे एल्विश

एल्विश यादव इन दिनों रियलिटी शो 'लॉफ्टर शेफ' के तीसरे सीजन में नजर आ रहे हैं। इस बार उनकी जोड़ी फिर से करण कुंद्रा के साथ बनी हुई है। दोनों को शो में काफी पसंद किया जा रहा है।

तलाक और तृषा के साथ अफेयर की चर्चाओं पर विजय ने तोड़ी चुप्पी

एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वजह है उनकी पर्सनल जिंदगी। विजय की पत्नी ने संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए अर्जी डाली है। उन्होंने विजय के एक अभिनेत्री से अफेयर की बात कही है। इसके बाद विजय का नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। इस बीच हाल ही में विजय तृषा के साथ एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहीं विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर भी विवाद अभी तक थमा नहीं है। इस बीच अब विजय ने अपने आसपास की हाल ही की समस्याओं पर बात की है।

ये मुद्दे आपके परेशान होने के लिए नहीं हैं

अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने थलापति विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो चेन्नई में उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के महिला दिवस कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विजय ने अपनी हालिया समस्याओं को लेकर बात की। वीडियो में विजय अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए दिख रहे हैं कि वे उनकी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त न हों। उन्होंने कहा, 'कृपया मेरे आसपास की हाल की समस्याओं के बारे में चिंता न करें। ये मुद्दे आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं इन्हें खुद संभाल लूंगा। मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब आप मेरी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त होते हैं। कृपया मेरे लिए यह बोझ न उठाएं। इसके बजाय, लोगों के कल्याण पर ध्यान दें।'

पत्नी ने दायर की विजय से तलाक की याचिका

विजय की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं, जब उनका निजी जीवन ऑनलाइन और मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए याचिका दायर की थी। विजय और संगीता का विवाह अगस्त 1999 में हुआ था और उनके दो बच्चे हैं - जेसन संजय और दिव्या शशा। पत्नी ने याचिका में आरोप लगाया गया है कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। याचिका के अनुसार, संगीता को इस कथित संबंध के बारे में 2021 में पता चला। संगीता ने बाद में निवास सुरक्षा और आर्थिक सहायता के लिए एक और याचिका दायर की।

तृषा के साथ कार्यक्रम में पहुंचे विजय

पत्नी के आरोपों के बाद विजय का नाम तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। तृषा और विजय का नाम इससे पहले भी जोड़ा गया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया, लेकिन तृषा ने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे में जब पत्नी ने ये आरोप लगाए, तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर तृषा का नाम विजय के साथ जोड़ा जाने लगा। इन आरोपों के बीच विजय तृषा के साथ फिल्म निर्माता कलपथी सुरेश और मीनाक्षी के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे। विजय और तृषा एक ही कार में समारोह में पहुंचे और साथ ही वहां से जाते हुए भी देखे गए। इसके बाद संगीता ने एक नई याचिका भी दायर की है।

कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय : दो दिवसीय एग्री टेक मिलन में शामिल होंगे पांच सौ से अधिक पूर्व विद्यार्थी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित स्वामी विवेकानंद अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा 14 एवं 15 मार्च को आयोजित दो दिवसीय एल्युमिनाई मीट ह्यएग्री टेक मिलन 2026 में महाविद्यालय के पांच सौ से अधिक पूर्व छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। इस एल्युमिनाई मीट में छत्तीसगढ़ के अलावा देश के अन्य राज्यों से लगभग ढ़ाई सौ भूतपूर्व विद्याथिर्यो के आने की संभावना है। इस अवसर पर दो दिवसीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला भी आयोजित किया जाएगा जिसमें कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किसानोपयोगी नवीन प्रौद्यौगिकियां प्रदर्शित की जाएंगी। एग्री टेक मिलन 2026 का शुभारंभ कल 14 मार्च को प्रातः 11 बजे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल करेंगे। समारोह की अध्यक्षता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा करेंगे। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, कुलसचिव एवं छत्तीसगढ़ शासन कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने बताया की महाविद्यालय में पहली बार एल्युमिनाई मीट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विगत लगभग 30 वर्षो में कृषि अभियांत्रिकी की पढ़ाई कर चुके 500 से अधिक भूतपूर्व विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। इन पूर्व विद्यार्थियों में से अनेक विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोगों के माध्यम से भारत सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों में वरिष्ठ प्रशासनिक पदों पर आसीन हैं। इसके अलावा कुछ भूतपूर्व छात्र प्रतिष्ठित औद्योगिक तथा व्यवसायिक संस्थानों में निदेशक अथवा वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। अनेक विद्यार्थियों ने स्टार्टअप स्थापित कर अन्य लोगों को रोजगार प्रदान किया है। इसके अलावा लगभग 100 भूतपूर्व विद्यार्थी विभिन्न विश्विद्यालयो में निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक के रूप में योगदान दे रहे हैं।

डॉ. वर्मा ने बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में वर्ष 1997 में कृषि अभियांत्रिकी संकाय की स्थापना की गई थी जिसके अंतर्गत एम. टेक पाठ्यक्रम प्रांरभ किये गये थे। वर्ष 2008 में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजिनियरिंग तथा सॉयल वाटर मैनेजमेंट में शोध पाठ्यक्रम शुरू किए गए। वर्ष 2014 में स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना के साथ कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में विभिन्न स्नातक पाठ्क्रम प्रारंभ किये गए। उन्होनें बताया कि अब तक 700 से अधिक विद्याथिर्यो ने कृषि अभियांत्रिकी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधि प्राप्त की है। डॉ. वर्मा ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय द्वारा अब तक 97 नवीन प्रौद्योगिकी विकसित की गई हैं तथा 32 डिजाईन पेटेंट किये गए हैं। उन्होंने बताया कि यह दो दिवसीय एग्री टेक मिलन 2026 एक ऐतिहासिक आयोजन होगा जिसका साक्षी यह महाविद्यालय बनने जा रहा है।

खास खबर

रमजान में जरूरतमंदों की मदद की फातिमा जोहरा कमेटी ने

भिलाई। हजरत बीबी फातिमा जोहरा कमेटी की ओर से रमजान के महीने में जरूरतमंदों की मदद की गई। कमेटी की सदस्य चरोदा, भिलाई-3, खुर्सीपार, तकिया पारा दुर्ग, पावर हाउस, सुपेला और सेक्टर एरिया में जरूरतमंद लोगों तक पहुंची और उन्हें राशन के अलावा कपड़े और खाने का सामान दिया गया। इस दौरान कमेटी की ओर से शाहीन खान, नसीम सुल्ताना, कौसर कुरैशी, शबनम खान, अक्सा अली, रजिया, जकिया, सायरा, सैयदा जरीना,शाइस्ता हफीज, आयशा आलम, आयशा बेगम, रख्शंदा हारुन, शबनम अली, रेहाना बेगम, साकिबा, समरा नसीम, रूही, शाहीन निजामी, फरजाना, सीमा खान, सीमा जावेद, अकीला चिश्ती, अजरा बेगम और कमरुन निशा सहित अन्य लोगों की भागीदारी रही।

भक्तमाता कर्मा जयंती : आज निकलेगी भव्य बाइक रैली, कल महाप्रसाद

राजनांदगांव। नगर में आराध्य देवी भक्त माता कर्मा की जयंती के अवसर पर साहू समाज द्वारा दो दिवसीय भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समाज के युवाओं और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत आज, 14 मार्च 2026 को एक विशाल 'भक्त माता कर्मा बाइक रैली' शाम 4 बजे साहू सदन, राजनांदगांव से होगी। यह रैली साहू सदन से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण पर निकलेगी, जिसमें बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु केसरिया ध्वज के साथ शामिल होंगे।

मुख्य महोत्सव 15 मार्च 2026 को बसंतपुर स्थित साहू सदन में आयोजित किया जाएगा। इस दिन माता कर्मा की विशेष पूजा-अचर्ना के साथ 'भक्त माता कर्मा जयंती एवं महाप्रसाद' का भव्य आयोजन होगा। आयोजन समिति और साहू समाज के पदाधिकारियों ने समस्त स्वजातीय बंधुओं से निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और माता कर्मा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

'आदि परब' का हुआ रंगारंग आगाज

छत्तीसगढ़ जनजातीय आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी ने किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी में आदि परब का रंगारंग आज आगाज हुआ। जनजातीय समाज के इस दो दिवसीय उत्सव में छत्तीसगढ़ सहित तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र और झारखंड के आदिवासी लोक कलाकार शामिल हो रहे हैं। आदि परब की थीम परम्परा से पहचान तक रखी गई है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं को राष्ट्रीय मंच देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कल 14 मार्च को आदि परब के समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम सहित जनजातीय समाज के पदाधिकारी तथा अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

आदि रंग, परिधान और हाट के रंगों में रंगा जनजातीय परब

आदि परब का शुभारंभ नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में छत्तीसगढ़ राज्य जनजातीय आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी ने किया। राज्य अंत्याव्यावसायी आयोग के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेहरा, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, टीआरटीआई के संचालक हिना अनिमेष नेताम, श्रीमती गायत्री नेताम सहित अन्य विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रदेश से जनजातीय समुदाय उपस्थित थे।

आदि परब के शुभारंभ अवसर पर जनजातीय समाज के आकर्षक परिधान से सजे-धजे युवाओं ने रैंप में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया। इसे लोगों ने उत्साह के साथ आनंद लिया। आदि परब में जनजातीय समाज के खान-पान, वेशभूषा, विभिन्न कलाकृतियों की प्रदशर्नी भी लगाई गई है, जो लोगों का आकर्षण का केन्द्र रही। आदि रंग - जनजातीय चित्रकला महोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी तरह आदि-हाट जनजातीय शिल्प मेला भी लगाया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय हस्तशिल्प, वनोपज और पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

शतरंज चैंपियनशिप के लोगो का उप मुख्यमंत्री साव ने किया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वाधान तथा आल इंडिया चेस फेडरेशन के निर्देशन में चीफ मिनिस्टर छत्तीसगढ़ ट्रॉफी 45 वीं पुरुष एवं 23 वीं महिला राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लोगो का अनावरण उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव द्वारा किया गया।

इस चैंपियनशिप के आयोजन समिति की अध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती भावना बोहरा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात कर रायपुर के अग्रसेन धाम में 16 से 22 मार्च तक आयोजित 45 वीं पुरुष एवं 23 वीं महिला राष्ट्रीय शतरंज टीम चैंपियनशिप 2026 के आयोजन संबंधी विस्तृत जानकारी दी । इस अवसर पर श्री साव ने देश की महत्वपूर्ण एवं प्रतिष्ठित चैंपियनशिप के लोगो का विमोचन किया। विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने उप मुख्यमंत्री श्री साव को उक्त लोगो के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि लोगो में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान, औद्योगिक विकास, प्राकृतिक सौंदर्य, राजकीय पशु वन भैंसा को शतरंज की गोटी के रूप में दर्शाकर,तथा तथा शतरंज की बौद्धिक परंपरा को दर्शाया गया है। इस अवसर पर प्रदेश शतरंज संघ के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंघानिया के अलावा उपाध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी सुश्री किरण अग्रवाल, एम चंद्रशेखर , रवि कुमार , सह सचिव आनंद अवधिया, ईश्वर सिंह राजपूत, सीनियर नेशनल आर्बिटर अनिल शर्मा उपस्थित थे।

आल इंडिया चेस फेडरेशन के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश शतरंज संघ के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंघानिया ने बताया कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व की इस चैंपियनशिप में देश के 23 राज्यों एवं 10 संस्थागत इकाइयों से 450 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें 11 ग्रैंड मास्टर 14 इंटरनेशनल मास्टर शामिल हैं। ग्रैंड मास्टर में दीप्तायन घोष,विकास एन आर,विग्नेश एन आर, मित्रभा गुहा, सायंतन दास,राहुल वी एस, श्याम निखिल पी, दीपेन चक्रवर्ती,श्रीराम झा, पी कार्तिकेयन,लक्ष्मण आर आर महिला ग्रैंड मास्टर में प्रियंका मुक्ती, गोम्स मेरी अन,स्वाति घाटे,किरण मनीषा मोहंती इंटरनेशनल मास्टर में अरुणायक घोष, हर्षवर्धन जी बी,अजय संतोष,पवर्तारेड्डी, हिमाल गुसैन,नीलेश शाह,श्रीराम आदर्श उप्पला,आयुष शर्मा,साहिल डे, विग्नेश अद्वैत विमला,आदित्य धींगरा, श्रीहरि एल, हरि माधवन एन बी, नितिन एस, दिनेश के शर्मा, इंटरनेशनल मास्टर पद्मिनी राउत, मोहता निशा, विमेन इंटरनेशनल मास्टर अपिर्ता मुखर्जी,कल्याणी शिरीन,प्रियंका के शामिल हैं। इसके अलावा 100 से अधिक फीडे टाइटल होल्डर उक्त चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं।

यातायात पुलिस कर्मियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा ड्यूटी में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर के दौरान पुलिस कर्मियों का किडनी, ब्लड प्रेशर (बीपी) और शुगर सहित विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जानकारी देते हुए आवश्यक उपचार और सावधानियों के संबंध में मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजन में आरोग्यम हॉस्पिटल की टीम का विशेष सहयोग रहा। हॉस्पिटल की ओर से जीएम सुमित घोसल, डॉ. बाली, नर्सिंग स्टाफ मनीषा और खिलेश्वरी के साथ अटेंडर आरती, संदीप सोनी तथा हेमंत यादव ने अपनी सेवाएं देकर पुलिस कमिर्यो के स्वास्थ्य परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यातायात पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस कर्मियों की ड्यूटी काफी चुनौतीपूर्ण और व्यस्त रहती है, ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया।

नेशनल लोक अदालत : ई-चालान के निपटारे पर है संशय आरटीओ की 'सुस्ती' से लोग परेशान और राजस्व को चपत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी नेशनल लोक अदालत को लेकर जिले के वाहन स्वामियों और अधिवक्ताओं में भारी ऊहापोह की स्थिति है। यातायात पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) द्वारा ई-चालान तो धड़ल्ले से काटे जा रहे हैं, लेकिन उनके निपटारे की कोई स्पष्ट राह नजर नहीं आ रही है। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण न केवल आम जनता भटक रही है, बल्कि शासन को मिलने वाले बड़े राजस्व का भी नुकसान हो रहा है।

पिछली गलतियों से नहीं लिया सबक

शहर के अधिवक्ता और वाहन स्वामी मौलेश तिवारी ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए बताया कि पिछली लोक अदालत में भी स्थिति

बेहद निराशाजनक थी। उन्होंने साझा किया किः प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय होता जी ने स्वयं समाधान के लिए आरटीओ कमिश्नर (रायपुर) और आरटीओ (राजनांदगांव) आनंद शर्मा से संपर्क साधने

> "लोक अदालत जनता को राहत देने का मंच है। यदि इस बार भी आरटीओ अधिकारी नदारद रहे, तो इस आयोजन का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।"
> — **मौलेश तिवारी, अधिवक्ता व वाहन स्वामी**

की कोशिश की थी। अधिकारियों द्वारा फोन रिसीव न किए जाने के कारण प्रक्रिया ठप हो गई। दूर-दराज से आए हितग्राहियों को बिना किसी समाधान के खाली हाथ लौटना पड़ा। भटकते नागरिक और विभाग की उदासीनता अधिवक्ता तिवारी का कहना है कि चालान काटने के बाद विभाग यह स्पष्ट नहीं करता कि राशि कहां और कैसे जमा करनी है।

उन्होंने मांग की है किः समर्पित काउंटरः लोक अदालत परिसर में आरटीओ का एक विशेष काउंटर लगाया जाए। लोक अदालत परिसर में आरटीओ का एक विशेष काउंटर लगाया जाए। जिम्मेदार नियुक्तिः मौके पर सक्षम अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी अनिवार्य हो। राजस्व की हानिः यदि अधिकारी उपस्थित रहते हैं, तो लंबित प्रकरण सुलझेंगे और शासन के खजाने में राशि जमा होगी।

पक्ष : आरटीओ ने दिया आश्वासन

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला आरटीओ अधिकारी आनंद शर्मा ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि "हमें इस विषय में जानकारी मिली है। हम न्यायालय का पूरा सम्मान करते हैं। आगामी नेशनल लोक अदालत में हमारे विभाग के अधिकारी और कर्मचारी प्रकरणों के निराकरण के लिए अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।"

सीएसवीटीयू में 'कौशल्य' और 'लोकार्पण' कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (CSVTU), भिलाई के कुलपति डॉ. अरुण अरोरा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यूटीडी) द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित 'कौशल्य' एवं 'लोकार्पण' कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

विश्वविद्यालय में 10-11 मार्च 2026 को आयोजित कौशल्य के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक एवं कला आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जबकि 12झ13 मार्च 2026 को आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में लोक कला एवं लोक संस्कृति से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 28 महाविद्यालयों के लगभग 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम

पुरस्कार 5000, द्वितीय पुरस्कार 3000 तथा तृतीय पुरस्कार 2000 की राशि एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में पद्मश्री राधेश्याम बारले, शक्ति रतन चक्रवर्ती, सोनाली सेन, मणिमय मुखर्जी तथा कु. आकांक्षा शामिल रहे।

कौशल्य कार्यक्रम के अंतर्गत : Best Costume Competition, Reel Making Competition, Best Ramp Walk Competition, Drama Competition, Drawing, Painting, Rangoli Competition, Dance and Music Special Performance, Stand-up Comedy सहित विभिन्न Fun Activities आयोजित की गईं। इस अवसर पर विद्यार्थियों के मनोरंजन के लिए Concert एवं DJ Night का भी आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बना दिया।

इसके पश्चात 12 एवं 13 मार्च 2026 को आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम के अंतर्गत पारंपरिक एवं स्थानीय कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान Art and Painting, Traditional Singing and Dance Competition तथा Traditional Dressing Showcase विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति तथा पारंपरिक कला के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में डॉ. अमित सिंह राजपूत (रजिस्ट्रार), डॉ. पंकज मिश्रा (निदेशक, यूटीडी), डॉ. तोरण वर्मा (समन्वयक), डॉ. रोहित मिरी, डॉ. जेपी पात्रा सहित आयोजन समिति के पूर्वी चंद्राकर, डॉ. रीचा साहु, संध्या गंवर, वंदना चंद्राकर सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भक्त माता कर्मा जयंती की रहेगी धूम आज निकलेगी भव्य बाइक रैली कल होगा महाप्रसादी का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर में आराध्य देवी भक्त माता कर्मा की जयंती के अवसर पर साहू समाज द्वारा दो दिवसीय भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समाज के युवाओं और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

आज शाम गूंजेगा माता कर्मा का जयकारा

कार्यक्रम की शुरुआत आज, 14 मार्च 2026 को एक विशाल 'भक्त माता कर्मा बाइक रैली' शाम 4 बजे साहू सदन, राजनांदगांव से होगी। यह रैली साहू सदन से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण पर निकलेगी, जिसमें बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु केसरिया ध्वज के साथ शामिल होंगे।

कल मनेगी जयंती और होगा महाप्रसाद

मुख्य महोत्सव 15 मार्च 2026 को बसंतपुर स्थित साहू सदन में आयोजित किया जाएगा। इस दिन माता कर्मा की विशेष पूजा-अचर्ना के साथ 'भक्त माता कर्मा जयंती एवं महाप्रसाद' का भव्य आयोजन होगा। आयोजन समिति और साहू समाज के पदाधिकारियों ने समस्त स्वजातीय बंधुओं से निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और माता कर्मा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क्र./202602101000238 / अ-5/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका/आवेदक -गन्टी सुब्रहमण्यम पिता गन्टी कामय्या निवासी विशाखापटनम (अरबन) आंध्रप्रदेश द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि पुराना ख.नं. 773/86 रकबा 0. 022 हे. भूमि रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से क्रय किया गया था। बंदोबस्त पश्चात नया खसरा नं. 1607/83 हैं। बंदोबस्त पश्चात हुई त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि में बंदोबस्त त्रुटि सुधार के किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/03/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

भिलाई की जीवनरेखा सेक्टर-9 अस्पताल को मिलेगा संजीवनी वरदान

छग विधानसभा सदन में विधायक रिकेश सेन की पहल पर अशासकीय संकल्प पारित

लखनऊ पीजीआई की तर्ज पर विकसित हो इस्पात बिरादरी का यह प्रतिष्ठित चिकित्सालय-रिकेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदन में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा प्रस्तुत एक महत्वपूर्ण अशासकीय संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस संकल्प के माध्यम से भिलाई इस्पात संयंत्र के पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर-9 को लखनऊ के पीजीआई की तर्ज पर विकसित करने की अनुशंसा केंद्र सरकार को भेजी गई है।

अस्पताल की ऐतिहासिक महत्ता और वर्तमान चुनौती

विधायक श्री सेन ने सदन को अवगत कराया कि अपनी स्थापना के समय से ही सेक्टर-9 अस्पताल न केवल भिलाई-दुर्ग, बल्कि अविभाजित मध्य प्रदेश और वर्तमान छत्तीसगढ़ के कई जिलों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। वर्षो तक अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए ख्याति प्राप्त करने वाले इस अस्पताल का बुनियादी ढांचा और सेटअप समय के साथ उपेक्षित हुआ है, जिससे इसकी सेवाओं के स्तर पर प्रभाव पड़ा है।

निजीकरण की आशंकाओं पर विराम

पिछले कुछ समय से इस्पात बिरादरी और रिटायर्ड कर्मियों के बीच अस्पताल के निजीकरण की चर्चाओं से चिंता का माहौल था। इस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए रिकेश सेन ने सेल प्रबंधन और निदेशक प्रभारी से चर्चा के बाद निजीकरण की अटकलों को पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निजीकरण नहीं, बल्कि इस संस्थान का आधुनिकीकरण और उन्नयन है ताकि इसे देश के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थानों की श्रेणी में खड़ा किया जा सके।

संकल्प के मुख्य बिंदु

अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से लैस कर लखनऊ पीजीआई के समकक्ष बनाया जाए। अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर है। आपको बता दें कि बीएसपी कर्मियों, उनके परिवारों और प्रदेश की जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। विधायक रिकेश सेन की इस दूरगामी पहल से न केवल इस्पात नगरी भिलाई, बल्कि पूरे प्रदेश में हर्ष की लहर है। सदन द्वारा पारित यह अशासकीय संकल्प सेक्टर-9 अस्पताल के सुनहरे भविष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगा।

स्वदेशी मेले का भव्य शुभारंभ, लोककला व स्वदेशी देश का भविष्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित स्वदेशी मेले का भव्य शुभारंभ आज उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विजय बघेल (सांसद दुर्ग लोकसभा), अध्यक्षता राकेश पांडेय (अध्यक्ष खादी ग्रामोउद्योग), विशिष्ट अतिथि दीपक शर्मा (अ.भा.विचार विभाग प्रमुख), श्रीमती अलका बाघमार (महापौर दुर्ग), सतीश तौरानी (प्रदेशअध्यक्ष छग चेम्बर ऑफ कॉमर्स), जसप्रीत सलूजा (कार्यकारी अध्यक्ष चेम्बर ऑफ कमर्स), जगदीश पटेल (प्रान्त संयोजक स्वदेशी जागरण मंच), अमर बंसल(प्रांतस्व.मेला प्रमुख) उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि विजय बघेल ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के इस महत्वपूर्ण प्रयास की सराहना की। स्वदेशी मेले में देशभर से आए उद्यमियों और व्यापारियों द्वारा लगाए गए 300 से अधिक स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले में स्वदेशी उत्पादों के साथ-साथ फूड जोन, ऑटोमोबाइल जोन, विभिन्न प्रकार के झूले एवं मनोरंजन के साधन भी आम जनता के लिए उपलब्ध हैं। इसके साथ ही मेले में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिल रही है।

प्रबंधक सुब्रत चाकी व संयोजक अजय भसीन ने बताया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन देना, स्थानीय उद्यमियों को मंच प्रदान करना तथा आम जनता को स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक करना है। मेले के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक, व्यापारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने आम जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने में सहयोग करें। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

सतनाम सिंह बने असंगठित कामगार कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष; वरिष्ठ नेताओं का जताया आभार

भिलाई। भिलाई शहर के सतनाम सिंह को अखिल भारतीय असंगठित कामगार एवं कमर्चारी कांग्रेस का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से उनके समथर्कों में खुशी का माहौल है। सतनाम सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साह,प्रदेश प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंद,भिलाई नगर विधायक देवेद्र यादव, असंगठित कामगार के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक बोरकर, भिलाई शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष म्केश चंद्राकर सहित कांग्रेस नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

प्रदेश के मेहनतकश वर्ग की आवाज को मजबूत करेंगे और उनके हक हितों के लिए संघर्ष करेंगे। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कामगारों और कर्मचारियों के हितों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस में नई नियुक्तियां की गई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदित राज के निर्देशानुसार, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, के निर्देशानुसार कामगार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक बोरकर ने सतनाम सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

सतनाम सिंह लंबे समय से श्रमिक अधिकारों और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं। संगठनात्मक निष्ठा, संघषर्शील कार्यशैली और जमीनी पकड़ को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और श्रमिक संगठनों में हर्ष का माहौल है।

भ्रष्टाचार का 'मल्टीप्लेक्स' : राजनांदगांव में करोड़ों की सरकारी जमीन की बंदरबांट

एसडीएम की रिपोर्ट ने खोली तत्कालीन अफसरों की पोल!

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

शहर में नियमों को ताक पर रखकर बनाए जा रहे 'असेम्बली मल्टीप्लेक्स' मामले में एक बड़ा धमाका हुआ है। अधिवक्ता दमयंती मंडल की शिकायत पर हुई उच्चस्तरीय जाँच ने प्रशासन के भीतर बैठे उन 'सफेदपोश' चेहरों को बेनकाब कर दिया है, जिन्होंने निजी स्वार्थ के लिए सरकारी तिजोरी और नियमों की बलि चढ़ा दी।

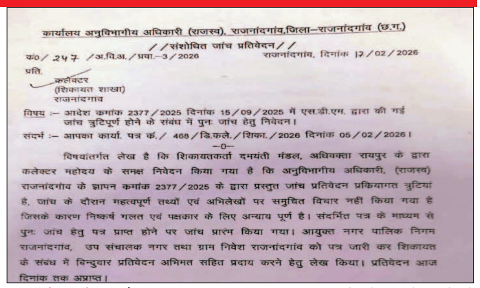

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), राजनांदगांव,जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

//संशोधित जांच प्रतिवेदन//

क्र0/ 247 /अ.वि.अ./प्रवा.-3/2026 राजनांदगांव, दिनांक 12/02/2026

प्रति,
कलेक्टर
(शिकायत शाखा)
राजनांदगांव

विषय :- आदेश कमांक 2377/2025 दिनांक 15/09/2025 में एस.डी.एम. द्वारा की गई जांच त्रुटिपूर्ण होने के संबंध में पुनः जांच हेतु निवेदन।

संदर्भ :- आपका कार्या. पत्र कं./ 468/डि.कले./शिका./2026 दिनांक 05/02/2026।

-0-

विषयांतर्गत लेख है कि शिकायतकर्ता दमयंती मंडल, अधिवक्ता रायपुर के द्वारा कलेक्टर महोदय के समक्ष निवेदन किया गया है कि अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व) राजनांदगांव के ज्ञापन कमांक 2377/2025 के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन प्रकियागत त्रुटियां है, जांच के दौरान महत्वपूर्ण तथ्यों एवं अभिलेखों पर समुचित विचार नहीं किया गया है जिसके कारण निष्कर्ष गलत एवं पक्षकार के लिए अन्याय पूर्ण है। संदर्भित पत्र के माध्यम से पुनः जांच हेतु पत्र प्राप्त होने पर जांच प्रारंभ किया गया। आयुक्त नगर पालिक निगम राजनांदगांव, उप संचालक नगर तथा ग्राम निवेश राजनांदगांव को पत्र जारी कर शिकायत के संबंध में बिन्दुवार प्रतिवेदन अभिमत सहित प्रदाय करने हेतु लेख किया। प्रतिवेदन आज दिनांक तक अप्राप्त।

अधिवक्ता दमयंती मंडल की शिकायत ने मचाया हड़कंप

रायपुर की चर्चित अधिवक्ता दमयंती मंडल ने कलेक्टर के समक्ष इस महा-घोटाले का खुलासा किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पूर्व में की गई जाँच केवल खानापूर्ति थी और दोषियों को बचाने की कोशिश की गई थी। उनकी दृढ़ता के कारण हुई संशोधित जाँच 17 फरवरी 2026को जारी पत्र में अब वह सच सामने आया है जिसे दबाने की कोशिश की जा रही थी।

कैसे हुआ नियमों का 'मर्डर'?

जाँच प्रतिवेदन में एसडीएम ने कड़े शब्दों में तत्कालीन अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं: जालसाजी की पराकाष्ठा: सॉफ्टवेयर और दस्तावेजों को गुमराह करने के लिए 24 मीटर की सड़क को कागजों पर 45 मीटर दिखाया गया। यह कोई मानवीय भूल नहीं, बल्कि करोड़ों की सरकारी घास भूमि (खसरा नंबर 1624, 1626) को मल्टीप्लेक्स मालिक के फायदे के लिए हड़पने की सोची-समझी साजिश थी।

पार्किंग का खेल: जहाँ 'राजनांदगांव विकास योजना 2031' के तहत बेसमेंट पार्किंग अनिवार्य थी, वहां अफसरों ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए खुली पार्किंग की अनुमति दे दी। रिपोर्ट में साफ लिखा है कि किसी भी अफसर को नियमों में ऐसी 'सेटिंग' करने का अधिकार नहीं है।

सुरक्षा से समझौता: फ्रंट ओपन स्पेस (MOS) को 12 मीटर से घटाकर आधा कर दिया गया। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि भविष्य में किसी दुर्घटना की स्थिति में जनता की जान को खतरे में डालना भी है।

"दण्डनीय है यह कृत्य": रिपोर्ट की तल्ख टिप्पणी

राजस्व विभाग की इस ताजा रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि तत्कालीन उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश ने जानबूझकर मास्टर प्लान की धज्जियां उड़ाई। रिपोर्ट में इस पूरे मामले को "गंभीर जाँच का विषय" और "जालसाजी" करार दिया गया है।

करोड़ों का राजस्व घाटा, कौन देगा हिसाब

शिकायतकर्ता दमयंती मंडल का दावा है कि इस खेल में शासन को करोड़ों रुपये की चपत लगी है। सरकारी घास भूमि और सड़क की चौड़ाई के नाम पर किए गए इस घोटाले ने यह साबित कर दिया है कि रसूखदारों के लिए राजनांदगांव में नियम मायने नहीं रखते। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन केवल रिपोर्ट भेजने तक सीमित रहेगा या इन 'भ्रष्ट' अधिकारियों और अवैध निर्माण पर सीधी कार्यवाही होगी। दमयंती मंडल की इस जंग ने शहर के भू-माफियाओं और उनके मददगार अफसरों की नींद उड़ा दी है।

एनएच-53 से शुरू होगा बी कॉरिडोर लाखों फूलदार पौधों से सजेगी हरित पट्टी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सड़कों के निर्माण के साथ अब पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल शुरू की जा रही है। National Highways Authority of India (NHAI) छत्तीसगढ़ में मधुमक्खियों के लिए विशेष ह्यबी कॉरिडोरह्न विकसित करने जा रहा है। इसकी शुरुआत सबसे पहले National Highway 53 के आरंगझसरायपाली मार्ग से की जाएगी। इसके बाद यह पहल National Highway 30 के रायपुर-धमतरी मार्ग और National Highway 130 के कटघोराझपथरापाली मार्ग पर भी लागू की जाएगी। इस परियोजना के तहत राजमार्गों के किनारे बड़ी संख्या में फूलदार और परागयुक्त पौधे लगाए जाएंगे, ताकि मधुमक्खियों को पूरे साल पराग और मधुरस मिल सके।

दो लाख पौधों से बनेगा फूलों का संसार

योजना के तहत वर्ष 2026-27 में प्रदेश में लगभग 2 लाख पौधे लगाए जाएंगे। देशभर में कुल 40 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इन पौधों में करंज, महुआ, पलाश, बॉटल ब्रश और जामुन जैसे पेड़ शामिल होंगे। साथ ही झाड़ियां, जड़ी-बूटियां और घास का मिश्रण भी लगाया जाएगा, जिससे अलग-अलग मौसम में फूल खिलते रहें और मधुमक्खियों को लगातार भोजन मिलता रहे।

गांवों से 5-6 किमी दूर विकसित होंगे कॉरिडोर

एनएचएआई अधिकारियों के मुताबिक इन कॉरिडोर को गांवों से औसतन 5 से 6 किलोमीटर दूर विकसित किया जाएगा, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके साथ ही राजमार्गो के किनारे स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुरूप हरित पट्टी तैयार की जाएगी और मधुमक्खियों के प्राकृतिक आवास के अनुकूल संरचनाओं को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कृषि और जैव-विविधता को मिलेगा लाभ

विशेषज्ञों के अनुसार इस पहल से परागण की प्रक्रिया मजबूत होगी, जिससे कृषि और बागवानी उत्पादन बढ़ने की संभावना है। साथ ही यह परियोजना जैव-विविधता के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने में भी मददगार साबित होगी। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप कुमार लाल ने कहा कि एजेंसी का लक्ष्य केवल सड़कें बनाना नहीं, बल्कि उन्हें ग्रीन हाईवे में बदलना है। देशी पेड़ों से विकसित ये कॉरिडोर पर्यावरण संतुलन को मजबूत करेंगे और स्थानीय कृषि को भी नई दिशा देंगे।

बड़े प्रोजेक्ट तय समय से पीछे

इधर राज्य में चल रहे कुछ बड़े सड़क प्रोजेक्ट तय समय से पीछे चल रहे हैं। रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे और रायपुर-दुर्ग बाईपास का निर्माण जुलाई 2023 में शुरू हुआ था। इनमें रायपुर-विशाखापट्टनम परियोजना को सितंबर 2026 तक और रायपुर-दुर्ग बाईपास को जून 2026 तक पूरा होना है, लेकिन वर्तमान में दोनों परियोजनाएं लगभग छह महीने की देरी से चल रही हैं।

बर्निंग बाइक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शनिवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब मैत्री गार्डन के पास सड़क के करीब एक बाइक धू-धू कर जलती हुई नजर आई। खड़ी बाइक जलता देखकर थोड़ी देर के लिए ट्रैफिक थम गया था। लोग आश्चर्यचकित थे कि बाइक में आग किसने लगाई। दोपहर एक बजे तक पुलिस को भी इसकी जानकारी नहीं थी। नई दृष्टिबिंद के एक जागरूक पाठक ने यह तस्वीर उपलब्ध कराई।

626 वाहन चालकों का काटा चालान

भिलाई। दुर्ग में सड़क हादसों को रोकने और शहर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। यातायात पुलिस ने 626 वाहन चालकों पर कार्रवाई की है। यातायात पुलिस के मुताबिक, जनवरी से अब तक शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों और मुख्य सड़कों पर रोज शाम से देर रात तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

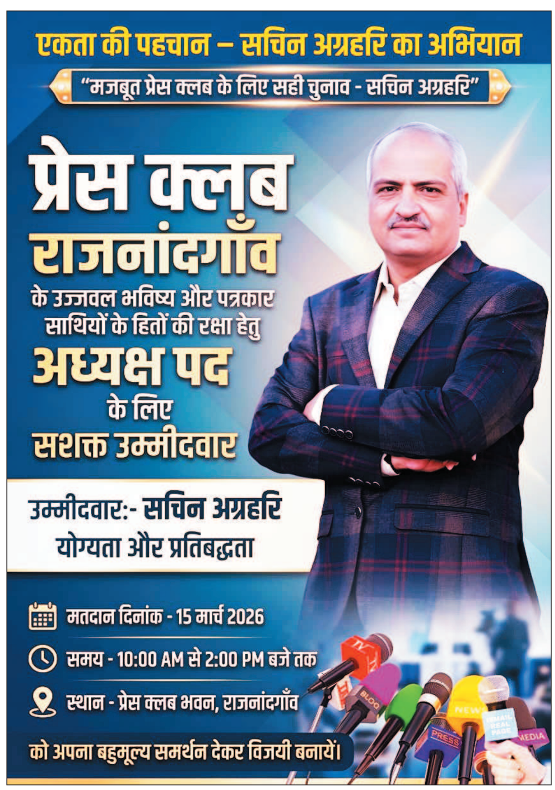

क्या भू-माफिया और प्रशासन की मिलीभगत से गायब हुए कुएं और तालाब

कागजों में सिमटा राजनांदगांव का जल स्त्रोत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

एक ओर सरकार जल संरक्षण के लिए 'अमृत सरोवर' और 'नरवा-गरवा' जैसी योजनाएं चलाकर करोड़ों खर्च कर रही है, वहीं संस्कारधानी राजनांदगांव में नगर पालिक निगम की उदासीनता के चलते शहर के पारंपरिक जल स्त्रोत—कुएं और तालाब—अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। आरटीआई (RTI) से प्राप्त चौंकाने वाले दस्तावेज यह तस्दीक करते हैं कि जो जल स्त्रोत सरकारी फाइलों में दर्ज हैं, वे जमीनी हकीकत में गायब हो चुके हैं या अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं।

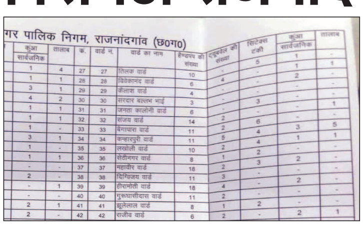

नगर पालिक निगम, राजनांदगांव (छ0ग0)

कुआ सार्वजनिक	तालाब	क.	वार्ड न.	वार्ड का नाम	हैण्डपंप की संख्या
1	4	27	27	तिलक वार्ड	10
1	1	28	28	विवेकानंद वार्ड	6
3	1	29	29	कैलाश वार्ड	4
4	2	30	30	सरदार बल्लभ भाई	3
1	1	31	31	जनता कालोनी वार्ड	6
1	1	32	32	संजय वार्ड	14
1	-	33	33	बैगापारा वार्ड	11
3	1	34	34	कन्हारपुरी वार्ड	11
1	-	35	35	लखोली वार्ड	10
1	1	36	36	सेठीनगर वार्ड	8
-	-	37	37	महावीर वार्ड	18
2	-	38	38	दिग्विजय वार्ड	11
-	1	39	39	हीरामोती वार्ड	18
-	-	40	40	गुरूघासीदास वार्ड	11
2	1	41	41	झूलेलाल वार्ड	8
2	-	42	42	राजीव वार्ड	6

ट्यूबवेल की संख्या	सिंटेक्स टंकी	कुआ सार्वजनिक	तालाब
	5	1	-
	-	1	1
4	-	2	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	3	-	1
-	-	-	-
2	6	-	-
2	4	3	5
5	4	1	1
2	2	-	-
1	3	2	-
2	-	-	-
3	-	2	-
4	-	-	-
2	-	-	-
1	2	-	-
2	-	2	1

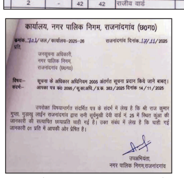

कार्यालय, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव (छ0ग0)

कमांक 701/जल/कार्यालय-2025-26 राजनांदगांव दिनांक 17/11/2025

प्रति,
जनसूचना अधिकारी,
नगर पालिक निगम,
राजनांदगांव (छ0ग0)

विषयः- सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 अंतर्गत सूचना प्रदान किये जाने बाबत्।
संदर्भ:- आपका पत्र क0 2095/सू.का.अधि./प्र.क. 383/2025 दिनांक 14/11/2025

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के संदर्भ में लेख है कि श्री राज कुमार गुप्ता, गुड़ाखु लाईन राजनांदगांव द्वारा रानी सूर्यमुखी देवी वार्ड नं. 25 में स्थित कुंआ की जानकारी की सत्यापित छायाप्रति चाही गई है। उक्त संबंध में लेख है कि चाही गई जानकारी 01 प्रति में आपकी ओर प्रेषित है।

उपअभियंता,
नगर पालिक निगम,राजनांदगांव

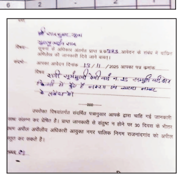

श्री राजकुमार गुप्ता
गुड़ाखु लाईन राज.
विषय- सूचना के अधिकार अंतर्गत प्राप्त प्र.क्र 383 आवेदन के संबंध में वांछित अभिलेख की जानकारी दिये जाने बाबत।
संदर्भ- आपका आवेदन दिनांक 13/11/2025 आपका पत्र क्रमांक
विषय रानी सूर्यमुखी देवी वार्ड न. 25 सम्पूर्ण वर्ड
-000-
उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्रानुसार आपके द्वारा चाहि गई जानकारी संलग्न कर प्रेषित है। प्राप्त जानकारी से संतुष्ट न होने पर 30 दिवस के भीतर अपील अपीलीय अधिकारी आयुक्त नगर पालिक निगम राजनांदगांव को अपील कर सकते है।

दस्तावेजों में आंकड़ों का मायाजाल

नगर पालिक निगम राजनांदगांव के जल विभाग द्वारा जारी वार्डवार सूची (पत्र क्रमांक 701/जल/2025-26) में शहर के विभिन्न वार्डों में कुओं, तालाबों, हैंडपंपों और सिंटेक्स टंकियों की लंबी-चौड़ी फेहरिस्त दी गई है। उदाहरण के तौर पर : तिलक वार्ड (27): यहाँ 4 तालाब और 1 सार्वजनिक कुआं दर्ज है। विवेकानंद वार्ड (28): यहाँ 1 तालाब और 1 सार्वजनिक कुआं कागजों में जीवित है। रानी सूर्यमुखी देवी वार्ड (26): यहाँ भी कुओं की जानकारी विभाग द्वारा प्रेषित की गई है।

लेकिन स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इनमें से अधिकांश स्थान अब केवल नाम के रह गए हैं। धरातल पर कई कुओं को पाटकर निर्माण कर लिया गया है, तो कई तालाब कचरे के ढेर और झाड़ियों में तब्दील होकर भू-माफियाओं के निशाने पर हैं।

प्रशासन और पाषर्दो की 'मौन' सहमति?

यह विडंबना ही है कि वार्ड के निर्वाचित पार्षद और निगम के आला अधिकारी रोजाना इन क्षेत्रों से गुजरते हैं, फिर भी सार्वजनिक संपत्तियों की बर्बादी पर मौन साधे हुए हैं। जिला प्रशासन की उदासीनता का आलम यह है कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज खसरा नंबरों पर भौतिक सत्यापन (Physical Verification) नहीं किया जा रहा है।

सवाल उठता है कि अगर कागजों में कुएं और तालाब दर्ज हैं, तो वे धरातल पर क्यों नहीं दिखते। क्या निगम के अधिकारियों ने जानबूझकर इन संपत्तियों को 'लावारिस' छोड़ दिया है ताकि भू-माफिया उन पर कब्जा कर सकें। हैंडपंपों और सिंटेक्स टंकियों के रखरखाव के नाम पर हर साल होने वाला बजट कहाँ खर्च हो रहा है।

खतरे में जल स्तर

एक तरफ राजनांदगांव भीषण गर्मी में जल संकट से जूझता है, वहीं दूसरी ओर जल पुर्नभरण (Water Recharge) के इन प्राकृतिक माध्यमों को खत्म किया जा रहा है। यदि समय रहते इन कुओं और तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कर पुर्नजीवित नहीं किया गया, तो आने वाले समय में शहर का भू-जल स्तर पाताल में चला जाएगा।

"नगर निगम द्वारा आरटीआई में जो जानकारी दी गई है, वह केवल दफ्तरी खानापूर्ति नजर आती है। रानी सूयर्मुखी देवी वार्ड सहित कई वार्डों में कुओं का अस्तित्व संकट में है। यदि प्रशासन ने जल्द सर्वे नहीं कराया, तो यह भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला बन सकता है।"

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।